

જહોભામે

મુરતીબ : વહીદ બિન અબ્દુસલામ બાલી

લિપિયાંતર : અબુ કુરકાન

मुकद्दमा

मुसलमान के उपर वाजुब हे के वोह अपने रबकी तरफ अपने दोनों बाजुओ से लपके और वोह दोनों बाजु जोड़ और उम्मीद हे. पस! अगर जोड़ उस पर गालीब आ गया तो वोह अल्लाहकी रहेमत से नाउम्मीद हो जायेगा और अगर उम्मीद उस पर गालीब आ गइ तो वोह दुसरो पर लरोसा करने लगेगा और कमजोर पण जायेगा. इसलीये जोड़ और उम्मीद दोनों मोमीनकी सवारी हे. जो उसको उसके रब तक पहुंचाती हे.

मैंने जब उन किताबो पर नजर डाली जो जन्नत और जहन्नम के बारे में लिखी गइ हे तो उनके सहीह और ऋइफ बल्कि मौजुअ रीवायतो का मजमुआ पाया. इसलिये वो ऐसी किताबे लिखी जउनके अंदर सिर्फ सहीह हदीथो का ही ऋक किया गया हे. पहली किताब का नाम मैंने “जन्नत की तारीफ सहीह हदीथो से” रखा जिसको अल्लाह तआला के इजल व करम से शाअेअ किया जा चुका हे. और ये दुसरी किताब जिसको मैं पेश कर रहा हूं उसका नाम “जहन्नम की तारीफ सहीह हदीथो से” हे.

मैं जिस वकत ये किताब पेश कर रहा हूं तो इस यकीन के साथ पेश कर रहा हूं कि मैं इस दुनिया से जानेवाला हूं और यही मेरा अमल आखेरत में काम आयेगा, अगर मैं अपने अमल में मुजलिस हूं. अल्लाह से दुआ हे के हमारे इस अमलमें इज्जास पैदा करे और रीयाकारी से बचाये और इसे कबुल इरमाअे. आमीन...

बश्शीश का तालिब

वहीद बिन अब्दुस्सलाम बाली

अल्लाह उनकी और उनके मा-बाप की मगफिरत इरमाअे. आमीन...

જહન્નમ સે પનાહ

અલ્લાહ તઆલાને ફરમાયા “અચ ઇમાનવાલો ! તુમ અપને આપ કો ઓર અપને ઘરવાલો કો ઉસ આગ સે બચાઓ જુસકા ઇંધન ઇન્સાન ઓર પથ્થર હે. જુસ પર સખ્ત દીલ ઓર મઝબુત ફરીશ્તે મુકરર હે. જુન્હે અલ્લાહ તઆલા જો હુકમ દેતા હે ઉસકી નાફરમાની નહીં કરતે. બલ્કિ જો હુકમ દીયા જાએ બજા લાતે હે.” (સુરે તહરીમ : ૬)

ઓર અલ્લાહ તઆલાને અપને મોમીન બંદોકી સીફાત બચાન કરતે હુએ ફરમાયા કી “ઓર જો ચે દુઆ કરતે હે કિ અચ હમારે પરવરદિગાર હમસે દોઝખ કા અઝાબ દુર હી દુર રખ કયુંકી ઉસકા અઝાબ ચિમટ જાને વાલા હે બેશક વોહ ઠહરને ઓર રહનેકે લિહાઝ સે બદતરીન જગા હે.” (સુરે ફુરકાન : ૬૫-૬૬)

ઓર ફરમાયા કી “જો અપને રબ કે અઝાબ સે ડરતે રહતે હે બેશક ઉનકે રબકા અઝાબ બેખોફ હોને કી ચીઝ નહીં હે.” (સુરે મઆરિઝ : ૨૭-૨૮)

ઓર ફરમાયા કી “કહ દીજુચે કે હકીકી ઝિયાંકાર વો હે જો અપને ઓર અપને અહલકો નુકશાન મેં ડાલ દેંગે. જાનલો કી ખુલ્લમખુલ્લા નુકશાન યહી હે કી ઉન્હેં નીચે ઉપરસે આગકે શોલે મીસ્લસાઈબાન કે ઢાંક રહે હોગે. યહી અઝાબ હે જુસસે અલ્લાહ તઆલા અપને બંદો કો ડરા રહા હે. અચ મેરે બંદો, પસ મુજસે ડરતે રહો.” (સુરે ઝુમર : ૧૫-૧૬)

(૧) હઝરત અબ્દુલ્લાહ બિન મસઉદ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે નબી સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ ઉનકો ચે દુઆ ઇસ તરહ સીખાતે થે જેસે કે કુઅનિ કરીમ કી કોઈ સુરત સીખાતે થે.

દુઆ : “અલ્લાહુમ્મ ઇન્ની અઉઝુબિક મિન અઝાબી જહન્નમ વઅઉઝુબિક મિન અઝાબિલ કબરી વઅઉઝુબિક મિન ફિતનતીલ મસીહીદ દજાલી વઅઉઝુબિક મિન ફિતનતીલ મહયા વમમાત”

તરજુમા : “અચ અલ્લાહ મેં તુજસે જહન્નમ કે અઝાબ કી પનાહ

मांगता हूं और अज़ाबे क़दरसे पनाह मांगता हूं और मसीह दृज्जाल के क़ितने से पनाह मांगता हूं और क़िंदगी और मोत के क़ितने से पनाह मांगता हूं. (मुस्लिम)

(२) हज़रत अनस रज़ियल्लाहु अन्हु की रिवायत हे की रसूल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम ये दुआ कसरत से पण्हते थे.

दुआ : “रब्बना आतिना क़िदुनिया हसनतं व फ़ील आभिरती हसनतं व फ़िना अज़ाबन्नार”

तरजुमा : “अय हमारे रब हमे दुनिया की ललाय अता कर और आभिरत की ललाय अता कर और हमें जहन्नम के अज़ाब से बचा.”
(बुखारी)

(३) हज़रत अबु हु़रैरह रज़ियल्लाहु अन्हु से मरपी हे की अल्लाहके रसूल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने एर्शाद इरमाया के जब कोय बंदा जहन्नम से सात मरतबा पनाह मांगता हे तो जहन्नम कहेती हे के अय हमारे रब तेरे इला बंदेने मुजसे पनाह मांगी हे लिहाज़ा तु उसको पनाह दे दे. और अगर कोय बंदा सात मरतबा जन्नत का सवाल करता हे तो जन्नत कहेती हे अय मेरे रब तेरे इला बंदेने मेरा सवाल कीया हे तो तुं उसको जन्नत में दाखिल कर दे. (बुखारी, मुस्लिम)

जहन्नम से षौक़ दिलाना

अल्लाह तआलाने इरमाया “उस दीन उनके येहरे आगमें उलट-पुलट कीये जायेंगे तो कहेंगे काश हम भी अल्लाह तआला और उसके रसूल की एताअत करते.” (सुरे अहज़ाब : ५५)

अल्लाह तआलाने इरमाया “जुस दीन वो अपने मुंह के बल आग में घसीटे जायेंगे (तो उनसे कहा जायेंगा) दोऊज की आग लगने के मज़े यब्जो” (सुरे : क़मर - ४८)

(४) हज़रत अदी बिन हातिम रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे की रसूल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने एर्शाद इरमाया “तुम अपने आपको

जहन्नम से बचाओ गरये भजूर के अेक टुकणे के बढले ही में क्युं न हो. और उसको ये भी न भीले तो वोह लली बात के ञरीअे अपने आपको जहन्नम से बचाअे. (बुजारी, मुस्लिम)

(प) हजरत अबु हुरैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे इरमाया की जब सुरे शुअरा-२१४ नंबर की ये आयते करीमा नाजुल हुध “वअनञीर अशी रतकल अकरबिन” के “अपने करीबी रीशतेवालों को डराओ” तो आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने कूरैश को बुलाया युनान्ये वो लोग जमा हुअे फिर आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने आम अंटाळ में और भास अंटाळ में उनको बुलाया और इरमाया अय बनी कअब बिन लुध ! अपने आपको डोळभ से बचा लो, अय बनी मुर्ह बिन कअब ! अपनी नइसोको जहन्नम से बचालो, अय बनू अब्दुल मुत्तलिब ! अपने आप को जहन्नम से बचा लो, अय इातिमा ! अपने आप को जहन्नम से बचा लो, क्युं की में अल्लाह के दरबार में तुम्हारे कुछ भी काम नहीं आ सकता. (बुजारी, मुस्लिम)

(ड) हजरत अबु हुरैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने र्शार्ह इरमाया मेरी और तुम्हारी मिषाल उस शप्स की तरह हे उसने आग जलाया, उसमें टिड्डीयां और पतंगे गीरने लगे, और वो उनको आग से बचाता रहे. और में तुम लोगों को तुम्हारी कमर पकण कर आग से बचा रहा हुं, और तुम मेरे हाथ से छुट रहे हो. (बुजारी, मुस्लिम)

(७) हजरत अब्दुल्लाह बिन मरुउद रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया जहन्नम को उस हालमें लाया जाअेगा के उसके सत्तर (७०) हजार लगाम होंगे. और हर लगाम के साथ सत्तर (७०) हजार इरीशतें उसको भींच रहे होंगे. (मुस्लिम, तिरमिज़ी)

जहन्नम के दरवाजे

अल्लाह तआलाने इरमाया “दोज़्ज के सात दरवाजे हे. हर दरवाजे से दाजिल होने के लिअे उन लोगो का अलग अलग मुक़रर करदह गिरोह हे.” (सुरे : हज़र - ४४)

(८) हज़रत उल्पा बिन अब्दुस्सलमी रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे कि मैने अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमको इरमाते हुये सुना कि जन्नत के आठ दरवाजे हे और जहन्नम के सात दरवाजे हे. (अहमद)

जहन्नम की गरमी की शिद्दत

अल्लाह तआलाने इरमाया “पस अगर तुमने न कीया और तुम हरगीज़ नही कर सकते तो (उसे सय्या मानकर) उस आग से बचो ज़सका धंधन धन्सान और पथर हे जो काफ़िरो के लिअे तैयार की गध हे.” (सुरे : जकरह : २४)

और इरमाया “उस दिन बहोत से येहरे ज़लील होंगे और महेनत करने वाले थके होंगे और वोह दहेकती हुध आग में डाले जाअेंगे.” (सुरे : गाशिया - २-३-४)

और इरमाया “मैने तुम्हे शोअले मारती हुध आग से डरा दीया हे ज़स में बदनप्त ही दाजिल होगा.” (सुरे : लेल - १४-१५)

और इरमाया “बेशक जहन्नम ऐसी थिन्गारीयां इेकती हे जो मिषल (जैसी) महल हे.” (सुरे : मुरसलात - ३२)

और इरमाया “वो अनकरीब लणकने वाली आग में जाअेगा.” (सुरे : लहब - ३)

(९) हज़रत अबु हुरैरह रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी करीम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया “तुम्हारी ये दुन्यवी आग ज़सको बनू आदम जलाते हे, जहन्नम की आग के सत्तर (७०) हिस्सो में

से अेक हिस्सा हे. सहाबा किराम रळियल्लाहु अन्हुमने कहा, अल्लाह की कसम ! यही काई होती ? तो आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम ने इरमाया वो तो उससे उंहतर (५८) गुनाह बढ कर हे. उनमें से हर अेक की गरमी धतनी हे. (बुजारी, मुस्लिम)

(१०) हजरत अबु हुैरह रळियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम ने इरमाया के जब अल्लाह तआलाने जन्नत और जहन्नम को पैदा कीया तो हजरत अब्रहल अलयहिस्सलाम को जन्नत की तरइ भेजा और कहा, जाकर उसको देजो और जो मेंने अेहले जन्नत के लिअे तैयार कर रज्जा हे उसको देजो, तो आप सल्लल्लाहु अलयहि वसल्लमने इरमाया वो आये और उसको देजा और उन चीजों को देजा जो अल्लाह तआलाने जन्नतीयों के लिअे तैयार कर रज्जा था. आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया इर वो अल्लाह की तरइ वापस हुअे और इरमाया “तेरी धज्जत की कसम ! कोध ली धसके बारेमें सुनेगा तो उसमें दाजिल हो जाअेगा.” युनांये उसके बारे में हुकम दिया गया तो वोह नापसंटीदा चीजों से धैर दी गध. इर अल्लाहने इरमाया उसकी जानीब दुबाराह जाओ. तो अब्रहल अलयहिस्सलामने इर कहा तेरी धज्जत की कसम मुजे जोइ हे कोध उसमें दाजिल नहीं हो पाअेगा. अल्लाहने इरमाया अब जहन्नमकी जानीब जाओ और उसको देजो और जो मेंने जहन्नमीयों के लिअे तैयार कर रज्जी हे उसको देजो. आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया, अब्रहलने जहन्नम को देजा तो उसका बाज-बाज पर सवार था. इर अब्रहल अल्लाह की तरइ लोटे और इरमाया तेरी धज्जत की कसम जो धसके बारे में सुनेगा उसमें दाजिल नहीं होगा. इर उसके बारे में हुकम दिया तो वोह लज्जतोसे धैर दी गध. इर अल्लाहने इरमाया उसके पास जाओ वो गये और इरमाया तेरी धज्जतकी कसम मुजे जोइ हे के धससे कोध नहीं बय पाअेगा.

(अबुदाउद, निसाध, तिरमिजी)

जहन्नम का रंग

अल्लाह ने इरमाया “आप उस दीन गुनेहगारों को देखेंगे के अंजुरोमें मिलेजुले अेक जगह से जकणे हुअे होंगे, उनके लिबास गंधक के होंगे और आग उनके चहेरे पर भी चढी हुध होगी.”

(सुरे : धब्राहीम - ४८-५०)

(११) हजरत अबु हूरैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के उन्होंने कहा जहन्नम अेक हजार साल तक लणकाध गध यहा तक के वोह सुर्ज हो गध फिर अेक हजार साल तक लणकाध गध यहा तक वोह सडेह हो गध, फिर अेक हजार साल तक लणकाध गध यहा तक के काली हो गध. युनांचे वोह तारीक रात की तरह काली हे. (तिरमिजि)

(१२) हजरत अबु हूरैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया : क्या तुम अपनी धस आग की तरह उसको सुर्ज समजते हो ? ये तो तारकुल (डामर) से भी काली हे. (मालिक)

(१३) हजरत अबु मालिक अशअरी रजियल्लाहु अन्हु से मरवी हे के रसुले करीम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के चार चीजें जहिलीयत की मेरी उम्मत में बाकी हे वो उसको छेणनेवाले नहीं हे. हसब व नसब पर इध्र करना, नसब पर तअन व तशनीअ करना, नधत्रों (नक्षत्रों) से पानी तलब करना और मैयत पर नोहा करना. अगर नोहा करने वालेने मौत से पहले तौबा नहीं की तो क्यामत के दिन उस हाल में आअेके के उसके उपर गंधक का लिबास होगा और आग के शोअले की लपेट में होंगे. (अहमद, तबरानी)

जहन्नम की पाटीयां

अल्लाह का धर्शाह हे “फिर उनके बाह अैसे नाजल्ह पैदा हुअे के उन्होंने नमाज् जाअेअ करी दी और नइसानी ज्वाहीशों के पीछे पण गअे.

सो, उनका नुकशान उनके आगे आयेगा. (सुरे : मरीयम - ५८)

(१४) हजरत अब्दुल्लाह इब्ने मरुउद रजियल्लाहु अन्हु अल्लाह तआलाके इस कौल “सो उनका नुकशान उनके आगे आयेगा” के बारे में इरमाते हे के वोह जहन्नम के अंदर अेक पाटी हे जो इन्तेहाइ गहरी हे और इसका मऊा इन्तेहाइ बुरा हे.”

(तइसीर इब्ने कषीर : ७८६ - २, सइ-१२८)

(१५) हजरत अली रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के तुम अल्लाह से गम की पाटीसे पनाह मांगो, लोगो ने दरयाइत किया के अय अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम गमकी पाटी क्या हे? आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया कि ये जहन्नममें अेक पाटी हे इससे जहन्नम हररोऊ सतर (७०) भरतबा पनाह मांगती हे और अल्लाहने उसे रियाकार कारीयो के लिअे तैयार कर रूखा हे. (बयहकी बिइसनादीन हसनीन अत्तर्गीब पत्तरहीब : ७८६-४, सइ-३४५)

जहन्नम की गहेराइ

अल्लाह तआलाने इरमाया “मुनाइक तो यकीनन जहन्नम के सभसे नीचे के तबके में जाओगे.” (सुरे : निसा - १४५)

(१६) ખાલીદ બિન ઉમૈર સે રિવાયત હે કી ઉકબા બિન ગઝવાનને અેક મરતબા ખુત્બા દિયા તો ઈરમાયા કી હમસે બયાન કિયા ગયા હે કી અેક પથ્થર જહન્નમ કે કિનારે લઈકાયા જાએગા તો સત્તર (૭૦) સાલ તક ઉસમ્ને નીચે ગિરતા રહેગા ઓર ઉસકી તેહકા પતા નહીં ચલેગા ઓર અલ્લાહકી કસમ ! તુમ ઉસે ભર દોગે કયા તુમ્હે તાઅજજુબ હે ! (મુસ્લિમ)

(१७) हजरत हसन बसरी रहमतुल्लाह अलयही से रिवायत हे की हजरत उमर रजियल्लाहु अन्हु बिन ખતાબ इरमाते थे के तुम जहन्नम की याद कसरत से कीया करो इसलिअे के इसकी गरमी बहोत शदीद हे और उसकी

गहेराई बहोत ऋयादा हे और उसके हथोडे लोहे के हे. (तिरमिळी)
 (१८) हळरत अबु हुरैरह रळियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के उन्होंने
 इरमाया के हम रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम के पास थे. तो हमने
 अेक घमाके की आपाळ सुनी तो आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने
 इरमाया कया तुम जानते हो की ये कया हे? हमने कहा अल्लाह और उसके
 रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम ऋयादा बहेतर जानते हे. आप
 सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के ये अेक पथर हे ँसको
 अल्लाहने सत्तर (७०) साल पहले ईका था और अब आकर उसकी तेह में
 पहुँचा हे. (मुस्लिम)

जहन्नम की बेडीयां

अल्लाह तआलाने इरमाया “यकीनन हमनें काफ़िरो के लिअे अंजुरे
 और तोक और शोअलोपाली आग तैयार कर रब्जी हे.” (सुरे : दहर - ४)

और इरमाया “कया तुने नहीं देजा जे अल्लाह की आयतो में
 ऋघणते हे वो कहां इेर दीअे जाते हे, ँन लोगोंने किताब को ँठलाया और
 उसे ली जे हमने अपने रसुलो के साथ लेजा, उन्हें अली अली हकीकत
 मालुम हो जाअेगी, जबकी उनकी गरदनो में तोक होंगे और अंजुरे होंगी.
 घसीटे जाअेंगे जोलते हुअे पानी में और इर जहन्नमकी आग में जलाअे
 जाअेंगे.” (सुरे : मोमिन - ५८, ७०, ७१, ७२)

और इरमाया “लेकिन ँसे उसके आमाल की किताब उसके बांये
 हाथ में दी जाअेगी तो वोह कहेगा के काश मुजे मेरी किताब दी ही न जाती.
 और में जानता ही न की हिसाब कया हे. काश की मौत मेरा काम ही तमाम
 कर देती. मेरे मालने ली मुजे कुछ नझा ना दीया, मेरा गलबा ली मुजसे
 जाता रहा. (हुकम होगा) उसे पकडलो, इर उसे तोक पहेना दो. इर उसे
 दोऊभ में डाल दो, इर उसे ऐसी अंजुर में जकणदो ँसकी पैमाईश सत्तर
 (७०) हाथ की हे.” (सुरे : हाक्कह - २५, ३२)

(१८) हळरत अब्दुल्लाह बिन उमर रळियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे की

रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया की अगर इस तरह का पथर (और आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने लकणी के प्याले या जोपडी के मीप्लकी तरह इशारा किया) आसमान से जमीन की तरह झेंका जाये, और ये पांचसो साल की मुसाइत हे, तो जमीन तक वो रात आने से पहले ही पहुँच जायेगा. और अगर वो जेडी के सीरेसे लेजा जाये तो रात और दिन चालीस साल चलने के बाद ही उसकी तेह तक पहुँच पायेगा. (तिरमिज़ी)

अहले दोज़्ज का पानी

अल्लाह तआलाने इरमाया “और उन्होंने कैसेला तलब किया और तमाम सरकश ऋद्धी लोग नामुराह हो गये उसके सामने दोज़्ज हे जहां उसे पीप (पड़) का पानी पीलाया जायेगा जैसे न मुश्किल घुंटा घुंटा पीयेगा फिर भी उसे गले से उतार ना सकेगा और उसे हर जगह से मौत आती दिखाई देगी. लेकिन वो मरनेवाला नहीं फिर उसके पीछे भी सप्त अज़ाब हे.” (सुरे : इब्राहीम - १५, १६, १७)

और इरमाया “ज़ालिमों के लिये हमने वो आग तैयार कर रफ़्जी हे जिसकी कनाते उन्हें घेर लेगी. अगर वोह इरीयाह रसी चाहेंगे तो उनकी इरीयाह रसी उस पानी से की जायेगी जो की तेल की तलछट जैसा होगा जो उनके चेहरे लुन देगा. वो बणा ही बुरा पानी हे. और बणी बुरी आराम गाह (दोज़्ज) हे.” (सुरे : कहफ़ - २८)

और इरमाया “उनके सरो के उपर से सप्त जोलता हुआ पानी बहाया जायेगा जिससे उनके पेट की सब चीज़ें और जाले गला दी जायेगी. और उनकी सज़ा के लिये लोहे के हथोडे है.”

(सुरे : हज़ - १८, २०, २१)

(२०) हज़रत अबु हुदैरह रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया की जहन्नमीयों के सरो पर सप्त जोलता हुआ पानी डाला जायेगा. तो ये जोलता हुआ पानी उनके ज़ुस्म

में इस तरह सरायत कर जायेगा की पेट तक पहुँच जायेगा और आंतों को बाहर निकाल देगा. यहां तक की वोह शोरबा बन कर पैरों से बहार निकल आयेगा. (यानी पिघल जायेगा) फिर उसे पहली हालत में लौटा दिया जायेगा. (तिरमिज़ी)

अल्लाह तआलाने इरमाया “और उन लोगोंने कुछ किया उनके वास्ते जोलता हुआ पानी पीने को मीलेगा और दर्दनाक अज़ाब होगा उनके कुछ की वजह से.” (सुरे : युनुस - ४)

(२१) हज़रत अस्मा रज़ियल्लाहु अन्हा भिन्ते यज़ीद से रिवायत हे के उन्होंने रसूल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम को इरमाते हुये सुना की उस शम्सने शराब पीया तो अल्लाह चालीस रात उससे राज़ी नही होगा. और अगर वो मर गया तो काफ़िर होकर मरा और अगर दोबारा शराब पीया तो अल्लाह के उपर वाजुब हे की उसको तयनतुल ज्बाल पिलाये. सहाबा किरामने पुछा के या रसूलल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम तयनतुल ज्बाल क्या हे ? आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया अहले दोज़्ब का पीप (प३) हे. (अहमद)

जहन्नमीयों का जाना

अल्लाह तआलाने इरमाया “बेशक झक़ुम का दरज़त गुनाहगार का जाना हे. जो मीषल तलछट के हे और पेट में जोलता रहेता हे जैसे तेज़ गरम पानी के.” (सुरे : हुज़ान - ४३, ४४, ४५, ४६)

(२२) इब्ने अब्बास रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया की अगर झक़ुम का अक़ कतरा दुनिया के अंदर डाल दिया जाये तो अहले दुनिया की रोज़ीको बरबाद करके रज हे तो उन लोगों का क्या हाल होगा ! उनका जाना ही झक़ुम हे. (तिरमिज़ी)

अल्लाह तआलाने इरमाया “पस आज न उसका कोय दोस्त हे और न सिवाये पीप (प३) के उसकी कोय गीज़ा हे.”

(सुरे : हाककह - ३५, ३६)

और इरमाया “उनके लिये सिवाये भारदार ऋण के कुछ जाना न होगा.” (सुरे : गाशियह - ५)

और इरमाया “यकीनन हमारे यहां सप्त बेनीयां हे, और सुलगती हुई जहन्नम हे, और हलक में अटकनेवाला जाना हे, और दर्द देनेवाला अज़ाब हे. (सुरे : मुळम्भील - १२, १३)

अहले दोज़्ज के मोटे और बदनूमा ज़स्म

(२३) हज़रत अबु हुदैरह रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया की काफ़िर के दाढ़ के दांत उहद पहाड के मिषल (जैसे) हे. और उसका चमणा तीन दिन की मुसाफ़त के भिक्दार मोटा हे. (मुस्लिम, तिरमिज़ी)

(२४) हज़रत अबु हुदैरह रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया काफ़िर का चमणा बयालीस (४२) गज़ मोटा हे और दाढ़ के दांत उहद पहाड के मिषल हे और उसके बेठने की जगाह जहन्नममें धतनी हे ज़तनी जगाह मक्का और मदीना के दरम्यान हे. (तिरमिज़ी)

(२५) हज़रत अबु हुदैरह रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने सुरे बनी धर्राधल-७१ नंबर की आयत के “जस दिन हम हर जमाअतको उसके पेशवा समीत बुलायेंगे” की तफ़्सीर बयान करते हुये इरमाया की उनमें से अक शप्स को बुलाया जायेगा और उसके दायें हाथ में उसका नामअे आमाल दिया जायेगा. और उसके ज़स्म को सांहीठ (५०) गज़ बढा दिया जायेगा और उसका येहरा भुज गौरा कर दिया जायेगा और उसके सर पर नुर का ताज रफ़्जा जायेगा फिर वोह अपने साथियों के पास जायेगा तो लोग उसको दूर से देख लेंगे. और कहेंगे अय अल्लाह हमें भी ऐसे अता कर और उसके अंदर

हमारे लिये बरकत है. यहां तक की वोह शप्स उन लोगो के पास पहुँच जायेगा. और उनसे कहेगा की बशारत हो तुम में से हर अेक के लिये यही है. फिर आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के काफ़िर का चेहरा काला कर दिया जायेगा. और उसका ज़ुस्म सांहीठ (५०) गज़ बढ़ा दिया जायेगा. मिषल हज़रत आदम अलयहिस्सलाम के ज़ुस्म के. फिर उसे आग का ताज़ पहनाया जायेगा और उसके साथी उसको टेभेंगे और कहेंगे की हम अल्लाह की उससे पनाह मांगते है. अय अल्लाह हमें ऐसा मत देना. फिर वोह उनके पास पहुँच जायेगा. तो लोग कहेंगे अय अल्लाह उसको ञलील कर. फिर वोह कहेगा, अल्लाह तुमको दुर करे, तुम में से हर अेक के लिये यही है. (तिरमिज़ी)

(२५) मुजाहिद से रिवायत है की एब्ने अब्बास रज़ियल्लाहु अन्हुने इरमाया “क्या तुम जानते हो की जहन्नम की चोण्हाए कीतनी है?” मेंने कहा नहीं. उन्होंने कहा हा, अल्लाह की कसम ! तुम्हे नहीं मालुम, उनमेंसे हर अेक के कान की लो और कंधे के दरमियान सत्तर (७०) साल की मुसाफ़त है. ज़ुसके अंदर जुन और पीप की पाटीयां है. मेंने कहां की क्या नहरे है? उन्होंने कहा नहीं, पाटीयां है. (अहमद)

(२७) हज़रत अबु सय़द जुदरी रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत है के नबी सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने सुरे मोमिनुन की १०४ नंबरकी आयत “और वोह वहा बदशकल बने हुअे होंगे.” की तफ़सीर बयान करते हुअे इरमाया कि जहन्नम उनका चेहरा एस तरह बिगाण देगी की उपर का होठ सीकुणकर नीच तक पहुँच जायेगा और नीचे का होठ उसके नाइ तक लटकेगा. (तिरमिज़ी)

(२८) हज़रत हारिष बिन अकयश रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत है की रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया की मेरी उम्मत मेसे जो लोग जन्नत में मेरी शिफ़ाअत से दाखिल होंगे उनकी ताअदाए कबीले मुज़ीर से ली ज़यादा होगी और मेरी उम्मत में से बाज़ को जहन्नममें एतना जुलनट कर दीया जायेगा के वोह जहन्नम का अे गोशा बन जायेगा.

अज़ाब के मुप्तलीक़ दरजात

अल्लाह तआलाने इरमाया “वोह कहेंगे, अय हमारे रब ज़सने (कुफ़ की रसम) हमारे लीअे पेहले से निकाली हो उसके हक में जहन्नम की सजा दुगनी कर दे.” (सुरे : सोद - ५१)

(३४) हज़रत सुमरह बिन जुन्दब रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुले अकरम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के उनमें बाज़ वोह होंगे ज़न को आग उनके टपने तक लिपटी होगी, और बाज़ वोह होंगे ज़न को आग उनकी कमर तक लिपटी होगी, और बाज़ वोह होंगे ज़न को आग उनकी हंसली की हड्डी तक लिपटी होगी. (मुस्लिम)

जहन्नम का अेक गोता दुनिया की सारी नेअमतों को बुला देगा

अल्लाह तआलाने इरमाया “अगर उन्हें तेरे रबके किसी अज़ाब का ज़ोंका ली लग जाअे तो पुकार उठेंगे, हाय ! हमारी बदनप्ती यकीनन हम गुनेहगार थे.” (सुरे : अंबीया ४५)

(३५) हज़रत अनस रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुले अकरम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के अेहले दोज़्ज में से अेक शअ्स जो दुनिया में सब से ज़यादा माल और दौलत वाला था, लाया जाअेगा और उसको जहन्नम में अेक गोता दिया जाअेगा. फिर उससे कहा जाअेगा अय ईब्ने आदम ! क्या तुम ने कभी कोई ज़ेर देजा हे और क्या तुमसे कभी कोई नेअमत गुज़री हे ? तो वोह कहेगा अल्लाह की कसम ! अय रब नहीं. और अेहले जन्नत में से अेक शअ्स को जो दुनिया में सब से ज़यादह तंगदस्ती की जिंदगी गुज़ारता था उसको जन्नत में अेक गोता दिया जाअेगा. फिर उससे पुछा जाअेगा अय ईब्ने आदम ! क्या तुमने कभी तंगदस्ती देजी हे और क्या कभी तकलीक़ तुम्हारे पास से गुज़री हे ? वोह कहेगा अय रब, अल्लाह की कसम! नहीं मुज से कभी कोई तंगदस्ती नहीं

गुज़री और मैंने कभी कोय परेशानी नहीं देयी. (मुस्लिम)

जहन्नमीयों की आह बका और चीज व पुकार

अल्लाह ने इरमाया “और जो लोग काफ़िर हे उनके लिअे दोज़्ख की आग हे. न तो उन को मौत ही आयेगी के मर ही जाये और न दोज़्ख का अज़ाब ही उनसे हलका किया जायेगा. हम हर नाशुकरे को ऐसे ही सज़ा देते हे और वोह लोग उसमें थिल्लायेगे के अय हमारे परवरदिगार हमको निकाल ले हम अरुछे काम करेगे, बरजिलाइ उन कामों के जो किया करते थे. (अल्लाह कहेगा) क्या हमने तुमको धतनी उम्न न दी थी के ज़ुस को समजना हो वोह समज सकता और तुम्हारे पास डरानेवाला भी पहोया था तो अब मज़ा यज़्जो, ज़ालिमों का कोय मददगार नहीं.”

(सुरे : झातिर - 35, 36)

अल्लाह तआलाने इरमाया, “लेकिन जो बदनज्त हुअे वोह दोज़्ख में होंगे, वहां चीजेगे थिल्लायेगे.” (सुरे : हुद - 105)

अल्लाह तआलाने इरमाया, “और क्यामत के जुहलाने वालों के लीअे हमने लणकती हुध आग तैयार कर रज़्जी हे जब वोह उन्हे दुर से देजेगे तो ये उसका गुस्से से बिइरना और धाणहना सुनेगे. और जब ये जहन्नम की किसी तंग जगा में मशके कस कर ईक दीअे जायेगे तो वहां अपने लीअे मौत ही मौत पुकारेगे (उन से कहा जायेगा) आज अेक ही मौत को न पुकारो बल्के बहोत सी अमपात को पुकारो.”

(सुरे : कुरकान - 99, 102, 103, 104)

(35) हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्ब रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के अेहले दोज़्ख अपने मालिक को पुकारेगे तो वोह उनकी पुकारका जवाब चालीस साल तक नहीं देगा. फिर इरमायेगा तुम को धसी के अंदर रहना हे. फिर वोह अपने रब को पुकारेगे और कहेंगे “अय रब ! तु हमें धससे निकाल ले पस अगर हम दुबारा (उस काम की तरइ) लोटे तो हम बहोत

बने ऋालिम होंगे.” फिर अल्लाह तआला इरमायेगा “इर वोह ना उम्मीद हो जायेगे इर उनकी आवाऒ गधे की आवाऒ की तरह हो जायेगी.” (तबरानी)

(३७) हऒरत अब्दुल्लाह बिन कैस रऒियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयही व सल्लमने इरमाया के अहले दौऒभ रोअेंगे यहां तक के अगर उनके आंसुओ में इशती यलाध जाये तो यलने लगे, और वोह पुन के आंसु रोअेंगे. (हाकिम)

शिऒाअत से लोंगों का जहन्नम से निकलना

अल्लाह तआलाने इरमाया “उस दिन शिऒारीश कुछ काम न आयेगी मगर तुसे रहेमान हुकम दे और वोह उसकी बात को पसंद इरमाये.” (सुरे : ताहा - १०६)

और इरमाया “इह दीतुअे के तमाम शिऒारीश का मुप्तार अल्लाह ही हे. सारे आस्मानों और ऒमीन का राज उसके लीअे ही हे तुम सब उसी की तरऒ इरे जाओगे.” (सुरे : जुमर - ४४)

और इरमाया “तुन्हे ये लोग अल्लाह के सिवा पुऒारते हे वोह शिऒाअत करने का इप्तियार नही रभते, हां (मुस्तहिक शिऒाअत वोह हे) जो हक बात का इकार करे और उनहे इल्म ली हो.” (सुरे : जुऒरऒ - ८ॡ)

(३६) हऒरत अबु सईद जुदरी रऒियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी इरीम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के अहले जन्नत जन्नत में दाभिल होंगे और अहले दौऒभ दौऒभ में. इर अल्लाह तआला इरमायेगा तुसके दिलमें राध बराबर ली इमान हो उसको दौऒभ से निकाल लो. तुनांचे उनको दौऒभ से निकाल लिया जायेगा इस हाल में के भिलकुल काले हो गअे होंगे, इर उनहे “नहऒल हयात” में डाल दीया जायेगा तो वोह अैसे ही उग जायेगे जैसे कि दाना बहनेवाले पानीकी तरऒ उग आता हे. क्या तुमने नहीं देजा के वो लपटा हुवा ऒई रंग का निकलता हे ? (बुजारी, मुस्लिम)

(37) अबु सय्द जुदरी रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुले अकरम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने धरशाह इरमाया के अहेले दोज़्ज जे दोज़्ज के मुस्तहिक होंगे वोह दोज़्ज में न मरेंगे, न ही त्रिंदा होंगे लेकिन वोह लोग ज़नको दोज़्ज की आगने उनको उनके गुनाहों की वजा से पकण लिया होगा उनको अल्लाह मौत दे देगा यहां तक के जब वोह कोयला के मानीन्द हो जायेंगे तो शिफ़ाअत की धजाऊत दी जायेगी और उनको गिरोह की शकल में लाया जायेगा और जन्नत की नहेरों के पास बिजेर दिया जायेगा फिर कहा जायेगा के अय अहेले जन्नत उनके उपर पानी डालो युनांचे वोह लोग ऐसे ही उगेंगे जैसा के दाना सैलाब के कुणे करकट में उगता हे. (मुस्लिम)

(38) हज़रत अबु सय्द जुदरी रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के जहन्नम की आग से कुछ ऐसे लोग निकलेंगे जे कोयले के मानीन्द जल चुके होंगे, फिर अहेले जन्नत उन पर पानी डालेंगे यहां तक के वोह ऐसे ही उग उहेंगे जैसे के ककणी का पौदा सैलाब वाली जगा में उगता हे. (अहमद)

(39) हज़रत अबु सय्द जुदरी रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम ने इरमाया के अल्लाह तआला जहन्नम से कुछ ऐसे लोगो को निकालेगा के ज़न के सिई येहरे बाकी रह गये होंगे फिर उनको जन्नत में दाखिल करेगा.

(सहीहुल अलबानी इल सहीहत नंबर : 1551)

(40) अबु सय्द जुदरी रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के हमने कहा अय अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम क्या हम अपने रबको क्यामत के दिन देखेंगे ? आपने इरमाया : “क्या तुम सुरज और चांद के देखने में शक करते हो, जब बादल नहीं होता हे ?” हमने कहा नहीं. आपने इरमाया उसी तरह से तुम उस दिन अपने रबको देखने में शक नहीं करोगे. फिर आपने इरमाया के अक पुकारने वाला पुकारेगा कि हर कौम ज़सकी धबाहत करती थी उसके पास जाये. युनांचे अहेले सलीब

से बातचीत सिई अंभिया करेंगे, फिर अल्लाह इरमायेगा के क्या तुम्हारे
 दरमियान और अल्लाह के दरमियान कोई निशानी हे जिसको तुम
 पहचानते हो ? वोह लोग कहेंगे “पिंडली” युंनान्चे अल्लाह तआला
 अपनी पिंडली को जोलेगा तो हर मोमिन उसके सामने सजदा रेऊ हो
 जायेगा और वोह नही कर सकेगा जो दिजाने के लीये उसका सजदा करता
 था. फिर वोह सजदा करने की कोशिश करेगा तो उसकी पीठ अेक तबक
 (तप्त) की मानीन्द (सप्त) हो जायेगी. इर अेक पुल लाया जायेगा
 और उसको जहन्नम के दरमियान रफ्जा जायेगा. हमने कहा अय अल्लाह
 के रसूल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम पुल क्या हे ? आप सल्लल्लाहु
 अलयहि व सल्लमने इरमाया कदमों को किसलाने वाली जगा हे जिसके
 अंदर उचकने वाला टेण्हा (पाकुं) लोहा हे और सलाजे हे और इैला हुवा
 कांटेदार पौदा हे जिसकी कांटे टेणी हे जो नजद में पाया जाता हे और उसका
 नाम सअदान हे. मोमिन उस पुलसे पलक जपकते बिजली और रोशनी की
 तरह और उमदा तेऊ रइतार घोडेसवार के मानीन्द गुऊर जायेगा, युंनान्चे
 मोमिन और मफ्दुश (भराश लगा हुवा) नजात पा जायेगा और मकदुस
 (पछाणा हुवा) जहन्नम में पहुँच जायेगा. और तुम हक ङाहिर होने के
 बाद हक के बारे में मुज से मुतालबा उस सप्ती से नहीं कर सकते इस
 सप्ती से मोमिन अपने रब से उस दिन करेंगे. युंनान्चे जब वोह देखेंगे के
 वोह नजात पा गये और उनके भाई बाकी रह गये तो कहेंगे अय हमारे
 रब, ये हमारे भाई हे जो हमारे साथ नमाऊ पण्हते थे, रोऊा रभते थे और
 अरछा अमल करते थे तो अल्लाह तआला इरमायेगा जाओ, और जिसके
 दिलमें अेक दीनार के बराबर ली इमान पाओ उसको निकाल लो. फिर
 अल्लाह तआला जहन्नम को उन पर हराम कर देगा. युंनान्चे वोह उनको
 लेकर आयेंगे. उनमें से बाऊ की हालत ये होगी के वोह आग के अंदर
 अपने कदम तक छुप गये होंगे और बाऊ अपनी नसइ पिंडलीओ तक.
 मोमिन उन में से जून को पहचान पायेंगे निकालेंगे, इर वोह वापस
 आयेंगे तो अल्लाह तआला इरमायेगा जाओ और इस के दिलमें आये

दीनार बराबर बी धमान हो उसको निकाल लो. युनांचे वोह जिस को पहचानेंगे, निकालेंगे. फिर वोह वापस आयेंगे तो अल्लाह तआला कहेगा जाओ जिसके दिलमें ऋर्हाह बराबर बी धमान पाओ उसको निकाल लो. युनांचे वोह जिसको पहचान पायेंगे उनको निकाल लेंगे.

हजरत अबु सय्द जुदरी रज़ियल्लाहु अन्हु ने कहा के अगर तुम को मेरी बात पर यकीन न हो तो कुअनि करीम की ये आयत पण्हो “बेशक अल्लाह तआला ऋर्हाह बराबर जुल्म नहीं करता और अगर नेकी हो तो उसे दुगनी कर देता है.” (सुरे : निसाअ - ४०)

फिर नबी, इरिश्ते और मोमिन शिफ़ाअत करेगें. फिर अल्लाह तआला इरमायेगा के मेरी शिफ़ाअत जाकी रह गय. युनांचे मुझी तर आग लेगा और ऐसे लोगों को निकालेगा जो जल गये होंगे.

इर उनको जन्नत के किनारे नहेर में डाल दिया जायेगा जिसको “भाउल हयात” कहा जाता है तो वोह उस नहेर के दोनों किनारे, ऐसे उगेंगे जैसे के दाना सैलाब के कुणा करकट में उगता है, तुमने उसको देखा होगा के जाऊ उसमें से यज्जान के जानिब होता है और जाऊ दरख्त के जानिब तो जो सुरज के जानिब होता है वोह हरा हो जाता है और जो साये की जानिब पणता है वोह सडैट हो जाता है. फिर वोह ऐसे निकलेंगे जैसे कि मोती. फिर उनकी गरदनो पर मुहर मारी जायेगी और वोह जन्नत में दाखिल कीये जायेंगे फिर अहले जन्नत कहेंगे के ये अल्लाह के आजाद किअे हुअे लोग है अल्लाहने उनको जन्नतमें दाखिल किया है बगैर किसी अमल के और बगैर किसी नेकी के, तो उनसे कहा जायेगा तुम्हारे लीअे वोह चीज है जो तुम ने देखा और उसीके भिप्ल उसके साथ है. (जुजारी, मुस्लिम)

(४३) हजरत अनस रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत है कि नबी सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लने इरमाया “के अल्लाह तआला कहेगा कि जहन्नम से निकालो उस शप्स को जिस ने मुजे कीसी दीन याद किया या कीसी मकाम पर मुज से डरा.” (तिरमिज़ी)

(४४) हजरत अबू मुसा अशअरी रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत है के

रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के जब अहले दोज़्भ, दोज़्भ में धक्का होंगे और उन के साथ अहले किब्ला में से ली होंगे उन को अल्लाह याहेगा तो, कुइर कहेंगे क्या तुम मुसलमान नहीं थे? वोह लोग कहेंगे बेशक. फिर कुइर कहेंगे क्या तुमको तुम्हारे इस्लाम ने कुछ इयदा नहीं पहुंचाया, तुम तो हमारे साथ जहन्नम में हो, फिर वोह मुसलमान कहेंगे के हम गुनेहगार थे और उन गुनाहों की वजह से अल्लाह तआलाने हमारा मुपाजिअह किया. अल्लाह तआला सुनेगा जो वोह कहेंगे और अल्लाह हुकम देगा के अहले किब्ला निकाल दिये जायें. फिर जब अहले दोज़्भ ये देखेंगे के तो कहेंगे के काश हम ली मुसलामान होते तो इसी तरह से दोज़्भ से निकाल लीये जाते जैसे के ये लोग निकले हे. हजरत अबु मुसा अशअरी कहते हे कि रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने ये आयते करीमा तिलापत की “के ये किताबे इलाही की आयते हे और जुले और रोशन कुर्आन की, और वोह ली पकत होगा जब काइर अपने मुसलमान होने की आरजू करेंगे.” (सुरे : हुजर - १,२)

(४५) हजरत अनस रअियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे की नबी करीम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के चार आदमी जहन्नम से निकलेंगे और अल्लाह के पास पेश किये जायेंगे अल्लाह उन में से अेक की तरइ मुतपजज होगा तो वोह कहेगा के अय रब तुज से में उम्मीद करता था के जब तुने मुजे उस से निकाल दिया हे तो उसमें दोबारा दाजिल नहीं करेगा. चुनांचे अल्लाह तआला उसको जहन्नम से नजात दे देगा. (मुस्लिम)

जहन्नम की जमाअत

(४६) हजरत अबु सईद जुदरी से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के अल्लाह तआला कहेगा अय आदम, तो हजरत आदम अलयहिस्सलाम कहेंगे, हाज़ीर हुं अय रब ! जिसके हाथ में ललाई हे. आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया फिर अल्लाह

કહેગા જહન્નમ કી જમાઅત કો નિકાલો. વોહ કહેંગે જહન્નમ કી ફૌજ કયા હે ? અલ્લાહ તઆલા કહેગા હર એક હઝાર મેં સે નૌસો નિન્નાનવે. યે ઉસ વકત હોગા જબ કે છોટા બચ્ચા બુણ્હા હો જાએગા ઓર તમામ હમલવાલીયોં કે હમલ ગિર જાએંગે ઓર તુ દેખેગા કે તમામ લોગ મદહોશ દિખાઈ દેગેં હાલાંકિ દર હકીકત વોહ મતવાલે ન હોંગે લેકિન અલ્લાહ કા અઝાબ બળા હી સખ્ત હે. યે બાત સહાબા કિરામ કો બહોત સખ્ત માલુમ હુઈ ચુનાંચે ઉન્હોને કહા કે અય અલ્લાહ કે રસુલ વોહ આદમી કહાં હોગા. આપ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વસલ્લમને ફરમાયા તુમ્હેં બશારત હો કયું કે યાજુજ માજુજ મેં સે એક હઝાર હોગા ઓર તુમ મેં સે એક આદમી. ફિર આપ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વસલ્લમને કહા ઉસ ઝાતે પાક કી કસમ ! જુસ કે કબ્ઝે મેં મેરી જાન હે, મેં યે ખ્યાહિશ કરતા હું કે તુમ એહલે જન્નતકા તિહાઈ હિસ્સા હો ફિર હમને અલ્હમ્દુ લિલ્લાહ ઓર અલ્લાહુ અકબર કહા. ફિર આપ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વસલ્લમને કહા ઉસ ઝાતે પાક કી કસમ જુસ કે કબ્ઝે મેં મેરી જાન હે, મેં યાહતા હું તુમ એહલે જન્નત મેં સે આઘા હિસ્સા હો. બેશક તુમ્હારી મિષાલ તમામ ઉમ્મતોં મેં એસી હે જેસે સફેદ બાલ કાલે બેલ કી જિલ્દ મેં હોતા હે યા જેસે ધારીદાર નકશ ગઘે કે બાઝુ મેં હોતી હે. (બુખારી, મુસ્લિમ)

જન્નત ઓર જહન્નમ કી લખાઈ

(૪૭) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વસલ્લમને ફરમાયા કે જન્નત ઓર જહન્નમ મેં લખાઈ હુઈ તો જહન્નમને કહા, “મેરે અંદર મુતકબ્બેરીન હે. (તકબ્બુર કરનેવાલે ઓર જબર વ કુવ્પત વાલે) જન્નતને કહા “મેરે અંદર ગિરે પળે ઓર કમઝોર લોગ હી દાખિલ હોતે હે.” ફિર અલ્લાહ તઆલા જન્નત સે ફરમાએગા બેશક તુમ મેરી રહેમત હો, તુમ્હારે ઝરીએ સે મેં અપને જુસ બંદે પર યાહતા હું રહેમત કરતા હું ઓર જહન્નમ સે ફરમાયા તુમ મેરા અઝાબ હો તુમ્હારે ઝરીએ મેં અપને જુસ બંદે પર યાહુંગા અઝાબ દુંગા ઓર તુમ મેં

से हर अेक को भर दुंगा तो जहन्नम नही लरेगी यहां तक के अल्लाह तआला उस में अपना पैर डालने लगेगा तो वोह कहेगी हरगीज नही, हरगीज नही और उस वकत भर जायेगी और उसका बाज, बाज से मिल जायेगा और अल्लाह अपनी मज्लुक में किसी पर जुल्म नही करेगा. लेकिन जन्नत तो, उसके लिये अल्लाह तआला मज्लुक पैदा कर देगा.
(बुजारी, मुस्लिम)

जहन्नम की हमेशगी

अल्लाह तआलाने इरमाया “क्या ये नही जानते के जो कोय भी अल्लाह और उस के रसुलकी मुजालिफत करेगा उसके लिये यकीनन दोऊज की आग हे जिस में वोह हमेशा रहनेवाला हे ये ऊबरदस्त इस्वाध हे.”
(सुरे : तोबा - ५३)

और इरमाया “पस, अब तुम हमेशगी के तोर पर जहन्नम के दरवाजों में दाखिल हो जाओ. पस, क्या ही बुरा ठिकाना हे धमंड करने वालों का.” (सुरे : नहल - २८)

और इरमाया “जात यही हे जो भी अल्लाह के यहां गुनेहगार बनकर हाजीर होगा उसके लिये दोऊज हे, जहां ना मौत होगी और ना किंडगी.” (सुरे : ताहा - ७४)

(४८) हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रजियल्लाहु अन्हुसे रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैयहि व सल्लमने इरमाया के जब अहेले जन्नत, जन्नत की तरफ़ यले जायेंगे और अहेले दोऊज, दोऊज की तरफ़ यले जायेंगे, तो मौत को लाया जायेगा और उसको जन्नत और जहन्नम के बीच में रफ़ा जायेगा. फिर उसे ऊबह कर दिया जायेगा. फिर अेक पुकारनेवाला पुकारेगा के अय अहेले जन्नत अब कोय मौत नही हे और अय अहेले दोऊज अब कोय मौत नही हे. फिर अहेले जन्नत की ખुशी और बण्ह जायेगी और अहेले दोऊज के गम में और धंकाहा हो जायेगा.
(मुस्लिम)

पुलसीरात का बयान

अल्लाह तआलाने इरमाया के “अेक अगर हम चाहते तो उनकी आंभे बेनूर कर देते. फिर ये रास्ते की तरफ़ दौणे झीरते लेकीन धन्हें केसे दिभाध देता.” (सुरे : यासीन - ५५)

(४८) हज़रत अबु हु़रैरह रज़ियल्लाहु अन्हु से रिपायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने धरशाह इरमाया के अल्लाह तआला लोगों को जमा करेगा तो मोमिन लोग उठेंगे यहाँ तक के जन्नत उनसे करीब हो जायेगी. झीर वोह आदम अलयहिस्सलाम के पास आअेंगे और कहेंगे अय हमारे बाप, जन्नत का दरवाज़ा भोलो. वोह कहेंगे के जन्नत से तुम्हारे बाप आदम की गलती ही ने तुमको निकाला था. में उसका अहल नहीं, जाओ मेरे बेटे धब्राहीम भलीलुल्लाह के पास, रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम इरमाते हे के हज़रत धब्राहीम अलयहिस्सलाम कहेंगे के में धसका अहल नहीं हुं. में तो सिई अल्लाह का दोस्त पीछे से था. जाओ हज़रत मुसा अलयहिस्सलाम के पास ज़नसे अल्लाह तआलाने बात की थी. युनांये वोह मुसा अलयहिस्सलाम के पास आअेंगे वोह कहेंगे के में धस का अहल नहीं हुं. जाओ धसा अलयहिस्सलाम के पास जो अल्लाह का कलमा और इह हे. धसा अलयहिस्सलाम कहेंगे के में धसका अहल नहीं हुं. फिर वोह मुहम्मद सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम के पास आअेंगे और यही बात कहेंगे. युनांये आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम को दरवाज़ा भोलने की धजात दे दी जायेगी और अमानत और रहम को लेजा जायेगा. फिर वोह पुलसीरात की दौनों जानिब यानी दाअे और बाअें भणी होगी फिर तुम में से सभसे पेहला शप्स उस परसे भिजली की तरह गुज़र जायेगा. फिर हज़रत अबु हु़रैरह रज़ियल्लाहु अन्हु कहते हे के मेंने कहा के अय अल्लाह के रसुल मेरे मा-बाप आप पर कुर्बान हो, कौन सी चीज़ भिजली के गुज़रनेकी तरह हे ? तो आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के तुमने भिजली को नहीं देजा के केसे अेक पलक ऋपकने में गुज़र जाती हे और वापिस आती हे. तो झीर हवा के गुज़रने की तरह

ગુઝરેંગે, ફિર પરિન્દો કે ગુઝરને કી તરહ ગુઝરેંગે, ઓર સફર કરને વાલોંકી તરહ ગુઝરેંગે. ઉનકો ઉનકે આમાલ દોળાએંગે ઓર તુમ્હારે નબી સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ પુલ સિરાત પર ખળે રહેંગે ઓર કહેંગે અય મેરે રબ મહકુઝ રખ. યહાં તક કે બંદો કે આમાલ આજુઝ આજાએંગે ઓર યહાં તક કે એક આદમી આએગા જો ઘસીટતે હુએ હી ચલ સકેગા. અલ્લાહ કે રસુલ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા કે પુલસીરાત કે દોનો જાનિબ સલાખે લટકી હુઈ હોંગી. જુન કો હુકમ દિયા જાએગા કે વોહ પકળ લે હર ઉસ શખ્સ કો જુનકો પકળને કા હુકમ દીયા ગયા હે. ચુનાંચે મખદુશ (ખરાશ લગા હુવા) નજાત પા જાએગા ઓર મકદુસ (પિછાળા હુવા) જહન્નમ મેં ગિર જાએગા ઓર ઉસ ઝાત કી કસમ જુસ કે કબઝે મેં અબુ હુરૈરહ (રઝિયલ્લાહુ અન્હુ) કી જાન હે બેશક જહન્નમ કી તેહ મેં પહોંચને મેં સત્તર (૭૦) સાલ લગ જાએંગે. (મુસ્લિમ, મિશકાત, હદીષ નંબર - ૫૬૦૮)

(૫૦) ઈબ્ને મસ્ઉદ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે ઉન્હોને કહા કે પુલસીરાત કો જહન્નમ કે બીચ મેં રખ્ખા જાએગા ઓર વોહ તેજ પતલી ધાર કી હુઈ તલવાર કી માનીન્દ હોગા જો કદમો કો ફીસલાનેવાલા હોગા ઉસકે ઉપર આગકી સલાખે હોંગી જો ઉચકનેવાલી હોગી, તો જો પકળા ગયા ઓર પછાળ દિયા ગયા વોહ જહન્નમ મેં ગિર જાએગા ઓર બાઝ લોગ એસે હી ગુઝર જાએંગે જેસે કે બિજલી. ફિર નજાત પાને મેં ઉસકો કોઈ રૂકાવટ નહીં હોગી. ફીર કુછ લોગ એસે હી પાર કરેંગે જેસે ઘોડે. ફિર કુછ લોગ એસે હી પાર કરેંગે જેસે કે આદમી દોળતે હે. ફીર કુછ લોગ એસે હી પાર કરેંગે જેસે કે આદમી ચલતા હે ફિર ઉનમેં એક એસા આખરી શખ્સ હોગા જુસ કો આગ ને પકળ રખા હોગા. ઉસકે અંદર વોહ તકલીફો સે દો ચાર હોગા યહાં તક કે ઉસે અલ્લાહ અપને કરમ વ ફઝલ સે જન્નત મેં દાખિલ કર દેગા. (તબરાની)

એહલે દોઝખ કી સિફાત

(૫૧) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ઇર્શાદ ફરમાયા, એહલે દોઝખ મેં દો કિસ્મ કે લોગોં કો મેંને નહીં દેખા. એક વોહ લોગ હે જીન કે પાસ ગાય કી દુમ કી તરહ કોળે હે, જીનસે વોહ લોગો કો મારતે હે ઓર વોહ ઓરતે જો નીમ બરહના હોતી હે ઓર જો ઉઠલાકર ચલતી હે ઓર લોગોં કો અપની તરફ માઈલ કરતી હે ઓર ઉનકા સર ઉંટ કે હીલને વાલે કોહાન કી તરહ હોતા હે. વોહ જન્નત મેં દાખિલ નહીં હોગી ઓર ના ઉસકી ખુશ્બુ પાએગી જબ કે ઉસકી ખુશ્બુ બહોત દુર સે પાઈ જતી હે. (મુસ્લિમ)

(૫૨) હઝરત હારિષા બિન વહબ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે ઉન્હોને રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમકો ફરમાતે હુએ સુના કયા મેં તુમ્હે એહલે જન્નત કે બારે મેં ન બતાલાઉ ? સહાબા રઝિયલ્લાહુ અન્હુમ ને કહા, હાં ! અલ્લાહ કે રસુલ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ જરૂર બતાલાઈએ. રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, હર કમઝોર જીસ કો કમઝોર સમજા જાતા હે. અગર વોહ અલ્લાહ પર કસમ ખાલે તો અલ્લાહ ઉસકો બરી કર દેગા (યાની ઉસકી કસમ પુરી કર દેગા) ફિર આપ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા કયા તુમ કો એહલે દોઝખ કે બારે મેં ન બતાઉ ? સહાબા કિરામને કહા હાં ! જરૂર અલ્લાહ કે રસુલ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ આપ હમેં બતાઈએ. આપ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા હર સરકશ ઓજટ, તકબ્બુર સે ચલનેવાલા જહન્નમી હે. (બુખારી, મુસ્લિમ)

એહલે દોઝખ

(૫૩) હઝરત હુઝૈફહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા કે જહન્નમ સે કુછ લોગ નિકાલે જાએંગે જો ઇન્તેહાઈ બદબુદાર હોંગે. જીનકી ખાલ કો આગ જલા ચુકી

होगी. वोह जन्नत में शिफ़ाअत करनेवालों की शिफ़ाअत से दाखिल होंगे. ज़ुन का नाम जन्नत में जहन्नमी लोग होगा. (अहमद)

(प४) हज़रत एमरान बिन हुसैन रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने एर्शाह इरमाया के जहन्नम से अेक ऐसी कौम रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमकी शिफ़ाअत से निकाली जायेगी और जन्नत में दाखिल की जायेगी ज़ुस का नाम जहन्नमी होगा. (बुजारी, तिरमिज़ी)

(प५) हज़रत अनस रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के मैंने रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमको इरमाते हुअे सुना के मैं पहेला शप्स हुंगा ज़ुसकी गरदन क़्यामत के दिन सबसे पहले बाहर आयेगी और एस पर मैं कोए इफ़्र नहीं करता और मुजे हम्द का ज़ंदा दिया जायेगा एस पर ली मुजे कोए इफ़्र नहीं और क़्यामत के दिन मैं लोगों का सरदार हुंगा और एस पर ली कोए इफ़्र नहीं करतां और सब से पहले मैं रोऊे क़्यामत जन्नतमें दाखिल हुंगा एस पर ली मुजे कोए इफ़्र नहीं. मैं जन्नत के दरवाज़े पर आउंगा और उसका हलका पकड़ुंगा तो लोग कहेंगे के ये कौन हे? मैं कहुंगा मैं मुहम्मद सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम हुं. तो वोह मेरे लीअे दरवाज़ा खोल देंगे और मैं जन्नत में दाखिल हो जाउंगा. फिर मैं अल्लाह तआला को अपने सामने पाउंगा और सजदह रेऊ हो जाउंगा. अल्लाह तआला इरमायेगा अय मुहम्मद सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम अपना सर उठावो और बात करो. तुम्हारी बात सुनी जायेगी और कहो तुम्हारी बात कबुल की जायेगी और शिफ़ाअत करो तुम्हारी शिफ़ाअत मकबुल होगी. मैं अपना सर उठाउंगा और कहुंगा अय रब मेरी उम्मत, मेरी उम्मत ! फिर अल्लाह तआला इरमायेगा तुम अपनी उम्मत के पास जाओ और ज़ुसके दिल में जव के दाने के बराबर ली एमान हे उसको जन्नत में दाखिल कर दो. युनांचे मैं जाउंगा और ज़ुस के दिल में जव के दाने के बराबर ली एमान पाउंगा उसको जन्नत में दाखिल कर दुंगा. फिर मैं अल्लाह रब्बुल एज़्ज़त को अपने सामने पाउंगा और सजदह में गीर जाउंगा. अल्लाह तआला

ફિર ફરમાએગા અય મુહમ્મદ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ અપના સર ઉઠાવો ઓર બાત કરો, તુમ્હારી બાત સુની જાએગી. ઓર કહો, તુમ્હારી બાત કબુલ કી જાએગી ઓર શિફાઅત કરો તુમ્હારી શિફાઅત મકબુલ હોગી. યુનાંચે મેં અપના સર ઉઠાઉંગા ઓર કહુંગા અય રબ મેરી ઉમ્મત ! મેરી ઉમ્મત ! અલ્લાહ તઆલા કહેગા તુમ અપની ઉમ્મત કે પાસ જાઓ ઓર જુસકે દિલમેં રાઈ કે દાને કે બરાબર ભી ઈમાન પાઓ ઉસકો જન્નત મેં દાખિલ કર દો. યુનાંચે મેં જાઉંગા ઓર જુસકે દિલ મેં રાઈ કે દાને કે બરાબર ભી ઈમાન પાઉંગા ઉસકો જન્નત મેં દાખિલ કર દુંગા. અલ્લાહ તઆલા લોગો કે હિસાબ સે ફારિગ હોગા ઓર મેરી ઉમ્મત મેં જો લોગ બાકી બચેંગે ઉનકો એહલે દોઝખ કે સાથ દોઝખ મેં ડાલ દિયા જાએગા. એહલે દોઝખ કહેંગે કે તુમ કો ઉસ ચીઝ ને ફાયદા નહીં પહોંચાયા કે તુમ અલ્લાહ કી ઈબાદત કરતે થે ઓર ઉસકે સાથ કિસી કો શરીક નહીં ઠહેરાતે થે. ફિર અલ્લાહ ફરમાએગા, મેરી ઈઝઝત કી કસમ ! મેં ઉન્હેં જહન્નમસે આઝાદ જરૂર કર દુંગા. ફિર ઉન કે પાસ કાસિદ ભેજેગા ઓર ઉનકો જહન્નમ સે નિકાલા જાએગા ઈસ હાલત મેં કે ઉનકી ખાલે જલ ચુકી હોગી. ફિર ઉન્હેં “નહેરૂલ હયાત” મેં ડાલા જાએગા તો વોહ ઉસકે અંદર એસે હી ઉગ ઉઠેંગે જેસે દાના સૈલાબ કી જાગ ઓર કુળા કરકટ મેં ઉગતા હે. ઓર ઉનકી પેશાની પર અલ્લાહ “આઝાદ કરદહ લોગ” લિખ દેગા ફિર ઉનકો લે જાયા જાએગા ઓર જન્નત મેં દાખિલ કર દીયા જાએગા. એહલે જન્નત કહેંગે યે જહન્નમી લોગ હે. અલ્લાહ તઆલા ફરમાએગા કે નહીં બલકે યે અલ્લાહ કે આઝાદ કરદહ લોગ હે. (અહમદ-દારમી)

(૫૬) હઝરત ઝૈદુલ ફકીર રહમતુલ્લાહ સે રિવાયત હે કે હમ મદીના આએ તો જાબિર બિન અબ્દુલ્લાહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ કો એક સુતુન કે પાસ બેઠ કર લોગોં સે હદીષ બયાન કરતે હુએ પાયા. જબ ઉન્હોંને જહન્નમીયોં કા ઝિક્ક કીયા તો મેંને ઉનસે કહા કે અય સહાબીએ રસુલ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ યે આપ કયા કહ રહે હે જબ કે અલ્લાહ તઆલા યે ફરમાતા હે “અય હમારે રબ તુ જુસે જહન્નમ મેં ડાલે ચકીનન તુને ઉસે રૂસ્વા કીયા,

ज़ालिमों का मददगार कोई नहीं ” (सुरे : आले इमरान - १८२) और इरमाया “जब कभी उस से बाहर निकलना चाहेंगे उसी में लौटा दिये जायेंगे.” (सुरे : सजदह - २०)

उन्होंने कहा “क्या तुम कुर्आन पढ़ते हो?” मैंने कहा. “हां” उन्होंने कहा के क्या तुमने मकामे मुहम्मद के बारे में सुना है जिसके अंदर अल्लाह तआला आप को दाखिल करेगा. मैंने कहा “हां.” उन्होंने ने कहा यही वोह मकामे मुहम्मद अल महमुद है जिस के ज़रीअे अल्लाह तआला लोगो को निकालेगा. हज़रत ज़ैद कहते है के फिर उन्होंने पुलसीरात के रफने और उस पर से लोगो के गुज़रने की केड़ीयत बयान की. रापी कहते है के मुजे पौइ है के में उसे याद नहीं कर सका, मगर उन्होंने ये बयान किया के अेक कौम जहन्नम में दाखिल किये जाने के बाद जहन्नम से निकलेगी और वोह समसम की लकणी की मानीन्द काले होंगे. फिर जन्नत की नहेरों में से अेक नहेर में दाखिल कीये जायेंगे और उस के अंदर गुसल करेंगे. युनांये उससे चांटीकी तरह सड़े होकर निकलेंगे. (मुस्लिम)

उस शप्स का अज़ाब जिस का अमल उसके कौल के जिलाइ है

अल्लाह तआला इरमाता है “क्या तुम लोगो को ललाइ का हुक्म देते हो और जुद अपने आप को लुल जाते हो जब के तुम किताब पढ़ते हो क्या तुम्हें इतनी ली समज नहीं?” (सुरे : बकरह - ४४)

और इरमाया, “कह दीजिये के अगर (तुम कहो तो) में तुम्हे बता दूं के ना अेअतबार आमाल, सब से ज़यादाह जसारे में कोन है वोह के ज़न की दुन्यपी ज़ुंदगी की तमामतर कोशिशे बेकार हो गइ और वोह इंस गुमान में रहे के वोह बहोत अरुषा काम कर रहे है.” (सुरे : कहइ - १०३, १०४)

(प७) हज़रत उसामा बिन ज़ैद रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत है के मैंने

रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम को इरमाते हुअे सुना हे के कयामत के दिन अेक आदमी को लाया जाअेगा और उसको जहन्नम में डाल दिया जाअेगा. उसकी आंते बाहर निकल पजेगी. फिर वोह अैसे ही चक्कर लगाअेगा जैसे गधा अपने जुंटे में चक्कर लगाता हे. अेहले दोज्ज उसके पास जमा हो जाअेंगे और कहेंगे अय इलां ! ये तुम्हारी क्या हालत हे? तुम तो हमे भलाध का हुक्म देते थे और बुराध से रोकते थे. वोह कहेगा में तुम्हे भलाध का हुक्म देता था मगर जुद उस पर अमल नहीं करता था. में तुम्हे बुराध से रोकता था मगर जुद बुराध करता था. (बुजारी, मुस्लिम)

सप्त गरमी जहन्नम की लपेट से हे

अल्लाह तआला इरमाता हे “और उन्होंने कह दिया के इस गरमी में मत निकलो. कह दीज्जअे के दोज्ज की आग बहोत ही गरम हे. काश के वोह समजते होते.” (सुरे : तोबा - ८१)

(५८) हजरत अबु हुरैरह रज्जियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी करीम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के “तुम नमाज को ठंडा करके पण्हो इस लीअे के गरमी की शिद्दत जहन्नमकी लपेट से हे.” (बुजारी)

(५९) हजरत अबु हुरैरह रज्जियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के “जहन्नम ने अपने रब से शिकायत की के अय रब हम में से बाज ने बाज को जा लिया. चुनांये उसको दो सांस लेने की इजाजत दी गध. अेक गरमी में और अेक ठंडी में. तो तुम जो सप्त गरमी पाते हो और जो सप्त ठंडी पाते हो इसी की वज से हे.” (बुजारी, मुस्लिम)

(६०) इब्ने उमर रज्जियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के सप्त बुजार जहन्नम की लपेट में से हे तो उसको तुम पानी से ठंडा करो. (बुजारी, मुस्लिम)

क्यामत के दिन जहन्नम की बातचीत

अल्लाह तआला इरमाता हे, “जुस दिन हम दोजुध से पुछेंगे कया तु डर गध? तो वोह जवाब देगी के कया कुध और ली हे?” (सुरे: कक-30) (क१) हजरत अबु हुदैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के क्यामत के दिन जहन्नम की गरदन नमुदार होगी उसकी दो आंभे होगी जुससे वोह देजेगी. दो कान होंगे जुससे वोह सुनेगी और अेक ङबान होगी जुससे वोह बातचीत करेगी और कहेगी मुजे तीन किस्म के लोग सुपुर्द कीअे गअे हे. अेक जभिर सरकश आदमी, दुसरा वोह शप्स जुसने अल्लाह के साथ दुसरे माअबुद को पुकारा और तीसरा तसवीर बनानेवाला. (तिरमिळी)

जन्नत और जहन्नम के दरमियान पुल

(क२) हजरत अबु सधद भुदरी रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के जब मोमिन लोग जहन्नम से नजात पा जाअेंगे तो जन्नत और जहन्नम के दरमियान अेक पुल पर रोका जाअेगा. जहां वोह जुल्म का बदला अेक दुसरे से ले, जो के दुनिया में उनके दरमियान हुवा था, यहां तक के जब वोह साइ सुथरे हो जाअेंगे तो उन को जन्नत में जाने की धजाऊत दे दी जाअेगी. कसम हे उस ङात की जुसके कब्जे में मुहम्मद सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम की जान हे उन में हर शप्स अपने मस्कन (ठहरने की जगा) को जन्नत में उससे ङयादा पहेयानेगा जुतना के दुनिया में अपने घर को पहेयानता था.

(बुजारी)

रोजे क्यामत में लोगों के उठाये जाने की सिइत

अल्लाह तआला इरमाता हे “जुस दिन हम परहेङगारों को अल्लाह रहेमान की तरइ बतोंरे महेमान के जमा करेंगे, और गुनेहगारों को

सप्त प्यासकी हालत में जहन्नम की तरफ हांक ले जायेंगे.”

(सुरे : मरीयम - ८५, ८६)

इब्ने मुबारकने अपनी सनद से मुजाहिद का ये कोल “अलजहद” में नकल किया है के मुजरीमीनको जहन्नम की तरफ उस हाल में हांक कर ले जाया जायेगा के उन की गरदन प्यास की वजह से पस्त हो गइ होगी.

अल्लाह तआला इरमाता है “और तुम जमीन को साइ मेदान देजोगे और तमाम लोगो को हम इकट्ठा करेंगे उन में से अेक को भी बाकी न छोड़ेंगे.” (सुरे : कहफ - ४७)

और इरमाया “जुस दिन सुर कुंका जायेगा और गुनेहगारों को हम उस दिन (दहेशत की वजहसे) नीली पीली आंभो के साथ घेर लायेंगे.” (सुरे : ताहा - १०३)

और इरमाया, “तेरे परपरदिगार की कसम ! हम उन्हे और शयतानो को जमा करके जर जहन्नम के इर्द गीर्द घुंठनो के बल गिरते हुअे हाकिर कर देंगे.” (सुरे : मरीयम - ६८)

और इरमाया, “अैसे लोगों को हम बरोजे कयामत उंघे मुंह उठायेगे इस हाल में के वोह अंघे, गुंगे और बहरे होंगे.”

(सुरे : बनी इसराइल-८७)

और इरमाया, “जालिमों को और उनके हमराहीयों को और जुनकी वोह (अल्लाह के अलावाह) परस्तीश करते थे जमा करो.”

(सुरे : साइफात - २२)

और इरमाया, “जुस दिन अल्लाह के दुश्मन जहन्नम की तरफ उठाये जायेंगे तो तरतीबवार कर लिअे जायेंगे.” (सुरे कुस्सीलत - १८)

और इरमाया, “जे लोग अपने मुंह के बल जहन्नम की तरफ जमा किअे जायेंगे वोही बदतर जगहवाले और गुमराहतर रास्तेवाले है.”

(सुरे : कुरकान - ३४)

(६३) हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत है के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम हम को वाअज व नसीहत

करने के लीये जणे हुये और इरमाया, “अय लोगो ! तुम अल्लाह की तरफ नंगे पांव, नंगे बदन और बिगैर जत्ना के उठाये जाओगे.” कुर्आने करीम में हे “और जैसा के अल्पल दफ़ाय हमने पैदाइश की थी वसी तरह दोबारा करेगे ये हमारे जिम्मा वादा हे और हम उसे जरूर करके ही रहेंगे.”

(सुरे : अंबीया - १०४)

और मज्लुक में सबसे पहले हजरत अब्राहीम अलयहिस्सलाम को कपणा पहनाया जायेगा. बेशक मेरी उम्मत के कुछ लोगों को लाया जायेगा और उनको बायें जानिब से कपणा जायेगा. तो मैं कहूंगा “अय रब ! ये हमारे असहाब हे.” फिर अल्लाह तआला इरमायेगा के तुम्हें नहीं मालुम के तुम्हारे बाद वन्होंने दीन में नई चीज़ें निकाली थी. तो मैं कहूंगा जैसा के अल्लाह के नेक बंदे ने कहा “मैं उन पर गवाह रहा जब तक उन में रहा और जब तुने मुजको उठा लीया तो तु ही उन पर निगरां रहा. तुं हर चीज़ की पुरी जबर रजता हे. अगर तु उनको सज़ा दे तो ये तेरे बंदे हे और अगर तु उनको माइ इरमा दे तो तु ऊबरदस्त हिक्मतवाला हे.”

(सुरे : माइदह - ११७, ११८) आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया: “तो मुजसे कहा जायगा के वोह लोग अभी तक जब से तुम उन से जुदा हुये हो मुरतद रहे हे.” (बुजारी, मुस्लिम)

(५४) हजरत आयशा रज़ियल्लाहु अन्हा से रिवायत हे के मैंने रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम को इरमाते हुये सुना के कयामत के दिन लोग नंगे पांव, नंगे बदन, बिगैर जत्ना के उठाये जायेंगे. हजरत आयशा रज़ियल्लाहु अन्हाने कहा अय अल्लाह के रसुल ! क्या सभी मर्द और औरत अेक दुसरे को ऐसे ही देखेंगे ? आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के ये मुआमला वतना ज़यादा सप्त होगा के उनको उस की परवाह नहीं होगी. (बुजारी, मुस्लिम)

(५५) हजरत उम्मे सलमा रज़ियल्लाहु अन्हा से रिवायत हे के मैंने रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम से इरमाते हुये सुना के कयामत के दिन लोग नंगे पांव, नंगे बदन उठाये जायेंगे, तो उम्मे सलमा

रखिल्लाहु अन्हाने ताअज्जुब से कहा के अय अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम ! क्या हम में से बाळ बाळ की तरङ्क देजेगा? आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया लोग गाड़िल होंगे, तो उन्होंने कहा अय अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम कौनसी चीज उन्हें गाड़िल रजेगी ? आपने इरमाया, “सहीके डैला टिअे जाअेंगे जसके अंदर ऊरें के भिक्दार और राध के दाने की भिक्दार ली चीउें लिप्पी हुध होंगी.” (तबरानी)

(५५) हजरत सहल बिन सअद रखिल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी करीम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के क्यामत के दिन लोग सकेद झमीन पर उठाअें जाअेंगे, जो सकेद रोटी के मानीन्द होगी. उसमें किसी के लिअे कोध निशानी नही होगी. (बुजारी, मुस्लिम)

(५७) हजरत अनस रखिल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के अेक आदमीने कहा, “अय अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम, कुर्आन में सुरे कुरकान की ३४ नंबर की आयत में अल्लाह तआला इरमाता हे के जो लोग अपने मुंह के बल जहन्नम की तरङ्क जमा किअे जाअेंगे वोही बदतर जगहवाले और गुमराहतर रास्तेवाले हे” तो क्या काड़िर अपने येहरे के बल उठाअे जाअेंगे? रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया, “के क्या वोह जात जसने उसको दुनिया में दो पैरों पर चलाया, धस बात पर कादिर नहीं के उस को उसके येहरे के बल चलाअे ?” हजरत कतादह रखिल्लाहु अन्हु ने कहा “हां, बिलकुल अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम ! हमारे रब की धज्जत की कसम.”

(बुजारी, मुस्लिम)

(५८) हजरत अबु हुरैरह रखिल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के, “क्यामत के दिन लोग तीन किस्मों में उठाअे जाअेंगे अेक किस्म पैदल चलनेवालों की होगी, अेक और किस्म सवार लोगों की होगी, और अेक किस्म उन लोगो की होगी जो येहरे के बल चल रहे होंगे.” कहा गया के अय अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु

अलयहि व सल्लम ! कैसे वोह अपने चेहरे के बल चलेंगे ? आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के, “जुस जातने उनको उनके कदमों पर चलाया वोह इस बात पर काटिर हे के उनको उनके चेहरे के बल चलाये. क्या वोह लोग अपने चेहरों को नहीं बचाते हे हर दुश्वार मोल और कांटो से ?” (तिरमिळी)

(५८) बहज बिन हकीम से रिवायत हे के वोह अपने बाप से और वोह अपने दादासे रिवायत करते हे के मेंने रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमको इरमाते हुये सुना के तुम क्यामत के दिन पैदल और सवार उठाये जाओगे और अपने चेहरों के बल दोगे. (तिरमिळी)

(७०) हजरत अब्द बिन शुअैब रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे वोह अपने बाप से और वोह अपने दादा से रिवायत करते हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के “मुतकब्नीर लोग क्यामत के दिन आदमीयों की सुरत में ऊरें के मिषल उठाये जाओगे उनको जिल्लत ने हर तरफ से ढांक रखा होगा. वोह जहन्नम में अेक जेल (केदजाना) की तरफ हांके जाओगे जुसका नाम बुलिस होगा उनके उपर आग ही आग होगी और अेहले दोज्ज की पीप उनको पिलाई जायेगी और हलाकत की मिष्टी.” (अहमद, तिरमिळी)

(७१) हजरत अबु हुरैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया, “क्यामत के दिन लोग तीन तरीकों से उम्मीद व जोड़ की हालत में उठाये जाओगे. किसी उंट पर दो आदमी सवार होंगे, किसी उंट पर तीन आदमी सवार होंगे, किसी पर चार तो किसी पर दस आदमी होंगे और बकीया लोग जहन्नम में जमा किये जाओगे. जहां वोह क्यलुला करेंगे, जहन्नम भी उनके साथ क्यलुला करेगी. और जहां वोह रात गुजारेंगे जहन्नम भी वहीं रात गुजारेगी और जहां वोह सुबह करेंगे, जहन्नम भी वहीं उनके साथ सुबह करेगी. और जहां वोह शाम करेंगे जहन्नम भी वहीं उनके साथ शाम करेगी.” (बुजारी)

(७२) हजरत अबु हुरैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह

सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया, “क्यामत के दिन लोग पसीनो में शराबुर होंगे, यहां तक के उनके पसीने सत्तर गज जमीन में चले जायेंगे और उनको लगाम पहनाया जायेगा यहां तक के उनके कानों तक पहुँच जायेगा.” (बुजारी)

(७३) हजरत इब्ने उमर रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने सुरे मुतझ्ज़ीज़ीन की ५ नंबर की ईस आयते करीमा के बारे में इरमाया, “जुस दिन लोग अल्लाह रब्बुल आलमीन के सामने जणे होंगे” तो उनमें हर शख्स ईस हाल में उठेगा के उसका पसीना उसके दोनों कानों के आधे हिस्से तक होगा.

(बुजारी, मुस्लिम, तिरमिज़ी)

(७४) हजरत मिक्दार रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के मैंने रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमको इरमाते हुअे सुना के क्यामत के दिन सुरज मजलुक से करीब हो जायेगा यहां तक के उनसे अेक मील की मिक्दार की दुरी पर होगा. सुलैम बिन आबिर कहेते हे के अल्लाह की कसम ! मुझे नहीं मालुम के मील से क्या मुराद हे जमीन की मुसाफ़त या सरमे की सिलाई. आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने कहा के लोग अपने आमाज के हिसाब से पसीने में दुबे हुअे होंगे, उनमें बाज अपने टप्नो तक पसीनेमें दुबे हुअे होंगे, बाज अपने घुंटनो तक और बाज अपने कुभ तक और बाज वोह लोग होंगे जुन को पसीने ने लगाम पहना रब्जा होगा और अल्लाह के रसुल सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने अपने हाथ से अपने मुंह की तरफ़ ईशारा किया. (मुस्लिम, तिरमिज़ी)

(७५) हजरत अब्दुल्लाह बिन मरुउद रज़ियल्लाहु अन्हु कहेते हे के क्यामत के दिन पुरी जमीन आग हो जायेगी और जन्नत उस के पीछे उभरी हुई पीस्तान वाली लडकी और ने दस्ते का कुजह मालुम होगी. और उस जात की कसम जुसके कब्ज़ेमें अब्दुल्लाह की जान हे, आदमी पसीना बहायेगा यहां तक के पसीना जमीन पर उसकी कामत तक बहेगा. इर वोह उपर उठेगा यहां तक की उसकी नाक तक पहुँच जायेगा और वहां तक

કે જહાં તક ઉસકો હિસાબ પહોંચાએગા. લોગોને કહા કે અચ અબુ અબ્દુર્રહમાન એસા કયું હોગા? ઉન્હોંને કહા કે લોગ જો મનાઝિર મુશાહિદહ કરેંગે ઉસકી વજાસે હોગા. (તબરાની, તરગીબ)

(૭૬) હઝરત અબ્દુલ્લાહ બિન મસ્ઉદ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા કે કયામત કે દિન આદમી કે મુંહ તક પસીના પહુંચ જાએગા તો વોહ કહેગા અચ રબ ! મુજે આરામ દે, યાહે મુજે જહન્નમ મેં હી ડાલ દે. (તબરાની, તરગીબ)

(૭૭) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા કે જુસ દિન લોગ અલ્લાહ રબ્બુલ આલમીન કે સામને ખળે હોંગે ઉસકી મિકદાર ઉસ દિન કા આઘા દિન હે જો કે પચાસ હઝાર સાલ કે બરાબર હોગા ઓર યે ચીઝ મોમિન કે લીએ એસે હી આસાન હોગી જૈસે કે સુરજ ગુરૂબ હોને કે કરીબ હો યહાં તક કે ગુરૂબ હો જાએ. (તરગીબ)

હિસાબ કા બયાન

અલ્લાહ તઆલા ફરમાતા હે, “સુન લો, ફૈસલા અલ્લાહ હી કા હોગા ઓર વોહ બહોત જલ્દ હિસાબ લેગા. (સુરે : અન્આમ - ૬૨)

ઓર ફરમાયા, “તો ઉસ વક્ત જુસ શખ્સ કે દાહને હાથ મેં આમાલનામા દે દીયા જાએગા ઉસ કા હિસાબ બળી હી આસાની સે હો જાએગા ઓર વોહ અપને અહલ કી જાનિબ હંસી ખુશી લોટ આએગા. હાં, જુસ કા આમાલનામા ઉસકી પીઠ કે પીછે દીયા જાએગા તો વોહ મોત કો બુલાને લગેગા ઓર ભળકતી હુઇ જહન્નમ મેં દાખિલ હો જાએગા.

(સુરે : ઈનશિકાક - ૭ - ૧૨)

ઓર ફરમાયા, “ઉસ દિન તુમ સબ સામને પૈશ કિએ જાઓગે તુમહારા કોઈ ભેદ પોશીદહ ના રહેગા, સો જિસે ઉસકા આમાલનામા ઉસકે દાહને હાથમેં દીયા જાએગા તો વોહ કહેને લગેગા લો મેરા આમાલનામા

पण्हो. मुजे तो कामिल यकीन था के मेरा हिसाब होगा. पस ! वोह अेक हिलपसंढ त्रिंढगी में होगा. जुलंढ व बाला जन्नत में, जसके मेवे जुके पणे होंगे, उनसे कहा जायेगा के मजेसे जाओ पीओ अपने उन आमाल के बदले जे तुमने गुळीस्ता ङमाने में किये थे, लेकिन जसे उसका नामाअे आमाल उसके बाअें हाथ में दिया जायेगा तो वोह कहने लगेगा के अय काश मुजे मेरा नामाअे आमाल ही न दीया जाता और में जानता ही नहीं के हिसाब क्या चीळ हे. काश ! के मौत ही मेरा काम तमाम कर देती. मेरे मालने भी मुजे कुछ नङा न दिया. मेरा गलबा भी मुजसे जाता रहा.”

(सुरे : हाककह - २८, २९)

(७८) हजरत अबु हुरैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया, “किसी बंटे के दोनों कदम आगे नहीं बण्हेंगे यहां तक के उससे चार चीळों के बारे में सवाल कर लिया जाअे, उसकी उम्र के बारे में के उम्र कहां गुळारी, उसके धल्ल के बारे में के उस पर कितना अमल किया और उसके माल के बारे में के कहां से कमाया और कहां खर्य किया और उसके जुरूम के बारे में के कहां उस को धस्तेमाल किया.” (तिरमिळी)

(७९) हजरत आयशा सिद्दीका रजियल्लाहु अन्हा से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के, “जस शप्स का मुहासबा हुवा गोया, उसको अजाब दिया गया. मेंने कहा के क्या अल्लाहने ये नहीं इरमाया हे के “जस को उसका आमालनामा उसके दाअें हाथ में दिया जायेगा उसका हिसाब बहोत ही आसानी के साथ हो जायेगा और वोह अपने अेहलो अयाल की जानिब जुशी जुशी लोटेगा.” तो आपने इरमाया “वोह तो सिई पेशी हे. क्यामत के दिन जस का भी हिसाब लिया जायेगा वोह हलाक हो गया.” (जुजारी, मुस्लिम)

(८०) हजरत आयशा सिद्दीका रजियल्लाहु अन्हा से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया “सीधे रहो और जुश कलामी धफ्तयार करो और लोगों को जुशजबरी सुनाओ धस लीअे के

જન્મત મેં કોઈ શખ્સ અપને આમાલ કી વજાસે નહી દાખિલ હોગા.”
લોગોને કહા “ઔર આપ ભી નહીં અય અલ્લાહ કે રસુલ સલ્લલ્લાહુ
અલયહિ વ સલ્લમ?” આપને ફરમાયા, “હાં મે ભી નહીં. મગર ચે કે
અલ્લાહ તઆલા મુજે અપની રહેમત સે ઢાંપ લે.” (બુખારી, મુસ્લિમ)

(૮૧) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ
સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા કે તુમ ક્યામત કે દિન લોગો કે
હુકુક જરૂર અદા કરોગે યહાં તક કે બગેર સીંગવાલી બકરી સીંગવાલી બકરી
સે બદલા લેગી. (મુસ્લિમ, તિરમિઝી)

(૮૨) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ
સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા, “હર ચીઝ ક્યામત કે દિન
ઝઘળેગી યહાં તક કે દો બકરીયાં જો ઉન્હોને એક દુસરે કો સીંગ મારા હોગા
ઉસકે બારેમે ઝઘળેગી.” (અહમદ, તરગીબ)

(૮૩) હઝરત ઉમ્મે સલમા રઝિયલ્લાહુ અન્હા સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ
સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ મેરે ઘર મેં થે ઔર આપ કે હાથ મેં એક
મીસ્વાક થી. આપને ખાદિમા કો આવાઝ દી, યહાં તક કે ગુરસે કે આષાર
આપકે ચેહરે પર ઝાહિર હુએ. યુનાંચે હઝરત ઉમ્મે સલમા રઝિયલ્લાહુ
અન્હા હુજરોં કી તરફ ગઈ તો ઉસ ખાદિમા કો બકરી કે બચ્ચે સે ખેલતે હુએ
પાયા. ઉન્હોને કહા બકરી કે બચ્ચે સે ખેલ રહી હો જબ કે રસુલુલ્લાહ
સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ તુમ્હે આવાઝ દે રહે હે. તો ઉસને કહા નહીં,
ઉસ ઝાત કી કસમ જુસને આપકો હક કે સાથ ભેજા હે મેંને આપ કી
આવાઝ નહીં સુની. રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા
કે, “અગર કીસાસ (બદલે) કા ડર ન હોતા તો મેં તુમકો ઈસ મીસ્વાક સે
મારતા.”

(રવાહ અબુ યઅલા બઅસનીદ, અહદુહા જય્યદુન, કાલહુલ મુંઝરી
૧૯૩/૬)

(૮૪) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ
સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા “જુસને કિસી ગુલામ કો કોળા

जुल्म करते हुये मारा तो वोह क्यामत के दिन उस से बदला लेगा.”
(रवाहुल बज्जार व तबरानी बर्हस्नादीन हसनान कालहुल मुंजरी
झीतरगीब १८२/५)

(८५) हजरत अब्दुल्लाह बिन उनेस रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के
उन्होंने रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमको इरमाते हुये सुना के
अल्लाह बंटो को (या आपने इरमाया लोगो को) क्यामत के दिन नंगे बगैर
भटना और जाली हाथ उठायेगा. (रावी कहते हे के अल्लाह के रसुलने
भमा का लइज इस्तेमाल किया) तो हमने आपसे पुछा के अथ अल्लाह के
रसुल, भमा क्या हे ? आपने इरमाया, के जसके पास कुछ न हो. फिर
उनको ऐसी आवाज से पुकारेगा जो दूर से भी सुनाई देगी, जैसे करीब से
सुनाई देती हे. और कहेगा में हाकिम हुं, में बादशाह. अगर किसी अहले
दोजभ का हक किसी अहले जन्नत के उपर हे तो वोह दोजभ में उस पकत
तक नहीं जायेगा जब तक में उस का हक अहले जन्नत से न दीला हुं. उसी
तरह से कोई अहले जन्नत, जस पर हक किसी अहले दोजभ का हे उस
पकत तक जन्नत में नहीं जायेगा जब तक के में उसका हक उस अहले
जन्नत से न दीला हुं, यहां तक के अक थप्पण भी. हमने कहा रावी कहते हे
के ये कैसे होगा जब के हम नंगे और बगैर भटना और जाली हाथ आयेंगे
? आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया नेकीयां और बुराईयां
(यानी नेकीयों और बुराईयों) से अल्लाह तआला हकदार को हक
दिलायेगा.

(रवाह अहमद बअसनीद, हसन कालहुल मुंजरी झीतरगीब १८३/५)

(८६) हजरत अबु हुरैरह रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह
सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया, “तुम जानते हो के मुइलीस
कौन हे?” लोगों ने कहा, “मुइलीस हम में से वोह हे जस के पास पैसा न
हो न सामान हो.” तो आपने इरमाया, “मेरी उम्मत का मुइलीस वोह हे
जो क्यामत के दिन नमाज, रोजा, जकात के साथ आयेगा. लेकिन किसी को
गाली दी होगी, किसी पर तहोमत लगाया होगा, या किसी का माल जाया

होगा, किसीका भुन बहाया होगा और किसी को मारा होगा, तो उसकी नेकीयां उन लोगो को दे दी जायेगी, पर ! अगर उसकी नेकीयां इसलामा किसे जाने से पहले मृत हो गई होगी तो उनके गुनाहों को उसके उपर डाल दिया जायेगा. फिर उसको जहन्नम में डाल दिया जायेगा.”
(मुस्लिम, तिरमिझी)

(८७) हजरत अबु हुदैरह रजियल्लाह अन्हु से रिवायत है के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम से लोगो ने कहा के अय अल्लाह के रसुल, क्या हम अपने रब को क्यामत के दिन देखेंगे ? तो आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया तुम दौपहर के पकत जब के बादल न हो सुरज के देखने में शक करते हो ? लोगो ने कहा नहीं. फिर आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया क्या तुम चांदनी रातो में चांद को देखने में शक करते हो, जब के बादल न हो ? तो उन्होंने कहा नहीं. फिर आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया उस जात की कसम ! जिसके कब्जे में मेरी जान है, तुम इसी तरह अपने रब को देखने में शक नहीं करोगे. बंदा अपने रब से मिलेगा तो अल्लाह तआला इरमायेगा, अय इलां ! क्या मैंने तुमको धरुत नहीं बरशी थी और सरदारी और शराइत से नहीं नपाजा था और तुमको अहलो अयाल नहीं अता किया था और तुम्हारे लिअे घोडे और उंट को ताबेअ नहीं बनाया था और तुम्हारी नस्लों को यहां नहीं इलाया जिस पर तुम सरदारी करो और इलो कुलो ? फिर वोह बंदा कहेगा हां, अय रब ! फिर अल्लाह कहेगा क्या तुमने जयाल किया था के तुम मुजसे मिलोगे ? बंदा कहेगा नहीं, तो अल्लाह कहेगा मैं तुम को ऐसे ही बुलाता हूं जैसे के तुमने मुजे बुलाया था. फिर दुसरे से मुलाकात करेगा और कहेगा अय इलां क्या मैंने तुम को धरुत नहीं बरशी थी और सरदारी और शराइत से नहीं नपाजा था और तुमको अहलोअयाल नहीं अता किया था और तुम्हारे लिअे घोडे और उंट को ताबेअ नहीं बनाया था और तुम्हारी नस्लों को नहीं इलाया था जिस पर तुम सरदारी करो और इलो कुलो ? फिर वोह बंदा कहेगा हां अय रब. फिर अल्लाह कहेगा क्या

तुमने जयाल किया था के तुम मुजसे मिलोगे ? बंटा कहेगा नहीं. तो अल्लाह कहेगा में भी तुम्हें ऐसे ही बुला देता हूं जैसे के तुमने मुझे बुला दिया था. फिर तीसरे आदमी से मुलाकात करेगा और कहेगा अय इलां क्या मेंने तुमको धरुत नही बरुशी थी और सरदारी और शराइत से नहीं नपाया था और तुमको अहलो अयाल नहीं अता किया था और तुम्हारे लिये घोडे और उंट को ताबेअ नही बनाया था और तुम्हारी नरुलो को नही इलाया था इस पर तुम सरदारी करो और इलोकुलो ? तो बंटा कहेगा हां अय रब. फिर अल्लाह कहेगा क्या तुमने कभी जयाल किया था के मुजसे मिलोगे ? तो वोह कहेगा हां अय रब, में तुम पर, तुम्हारी किताबों पर और तुम्हारे रसुलों पर धमान लाया. नमाज पण्ही, रोजा रब्जा, सदका व जेरात किया और इस कदर हो सकेगा वोह ललायथां बयान करेगा. फिर अल्लाह कहेगा यहां जरा ठहरो. फिर इरमायेगा के हम अब तुम्हारे उपर अेक गवाह मुतअरथीन करते हे. फिर बंटा अपने दिल में सोयेगा के मेरे बारेमें कौन गवाही देगा ? फिर अल्लाह तआला उसके मुंह पर महोर लगा देगा और उसकी रान से कहेगा तुम बात करो युनांये उसकी रान, उसका गोशत, उसकी हड्डीयां उसके बारे में बात करेगी और उसकी नइस की तरइ से उऊर बयान करेगी और ये मुनाइक होगा और उस पर अल्लाह गऊबनाक होगा. (मुस्लिम)

(८८) हऊरत उम्मे मुबशीर अन्सारीया रऊयल्लाहु अन्हा से रिवायत हे के मेंने रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमको हऊरत हइसा रऊयल्लाहु अन्हा से इरमाते हुअे सुना के अगर अल्लाहने याहा तो अहलुशशजरह में उन लोगों ने जेअत की थी उनमें कोय जहन्नम में नहीं जायेगा. हऊरत हइसा रऊयल्लाहु अन्हा ने कहा के जरु जायेंगे अय अल्लाह के रसुल. आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने उनको डांटा, तो हइसा रऊयल्लाहु अन्हाने कुर्आन की ये आयत पण्ही “तुम में से हर अेक यहां जरु वारिद होने वाला हे.” (सुरे : मरीयम - ७१)

नबी सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के अल्लाह

तआलाने इरमाया “फ़िर हम परहेज़गारों को बचा लेंगे और नाइरमानों को उसीमें घुंटेने के बल गीरा हुवा छोल देंगे.” (सुरे : मरीयम - ७२)

(८९) हज़रत अबु सय्द जुदरी रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया, कयामत के दिन हज़रते नुह को लाया जायेगा और उनसे कहा जायेगा के क्या तुमने दीनकी बातें लोगो तक पहुँचा दी ? वो कहेंगे के हां अय मेरे रब. फ़िर उनकी उम्मत से पुछा जायेगा के क्या उन्होंने तुम तक दीन की बातें पहुँचा दी थी ? वोह लोग कहेंगे के हमारे पास कोय डरानेवाला नहीं आया था. फ़िर अल्लाह तआला कहेगा अय नुह अलयहिस्सलाम तुम्हारे गवाह कौन लोग हे? तो नुह अलयहिस्सलाम कहेंगे मुहम्मद सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम और उनके उम्मती. फ़िर तुमको लाया जायेगा और तुम गवाही दोगे. फ़िर नबी करीम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने कुर्आने करीम की सुरे बकरह की १४३ नंबर की ये आयत तिलावत की “हमने तुमको इसी तरह आदिल उम्मत बनाया हे ताके तुम लोगो पर गवाह हो जाओ और रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम तुम पर गवाह हो जाये.” (बुजारी)

(९०) हज़रत अदी बिन हातिम रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के नबी करीम सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के, तुम में से हर अेक से अल्लाह तआला बात करेगा और उसके दरमियान और अल्लाह तआला के दरमियान कोय तरजुमा करनेवाला नहीं होगा. फ़िर वोह अपने दाअें जानिब देजेगा तो अपने आमाद देजेगा और बाअें जानिब देजेगा तो ली अपने आमाद ही देजेगा और सामने की जानिब देजेगा तो आग देजेगा. पस ! आग से बचो, अगर ये जहूर के टुकणे ही के बदले में क्युं न हो. (बुजारी, मुस्लिम)

कयामत के दिन अज़ाब की शकलें

(९१) हज़रत अबु हुसैरह रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने एश्राफ़ इरमाया : जिस को अल्लाह ने माल

અતા ક્રિયા ઓર ઉસને ઝકાત અદા નહી ક્રિયા તો ઉસકા માલ એક એસે સાંપ કે મિષ્લ આએગા જુસકે બાલ ઝહર કી કષરત સે ઝળ ગએ હોંગે ઓર ઉસકે સર પર દો સીંગ કે મીષ્લ ગોશત કે દો ટુકળે હોંગે, કયામત કે દિન વોહ તોક બન કર ઉસકે ગલે મેં લપટ જાએગા ઓર ઉસકે દોનો જબળોં કો પકળ લેગા ઓર કહેગા મેં તુમ્હારા માલ હું, મેં તુમ્હારા ખઝાના હું. ફિર અલ્લાહ કે રસુલને સુરે આલે ઈમારાન કી ૧૮૦ નંબર કી ચે આયત તિલાવત કી “જુન્હે અલ્લાહ તઆલાને અપને ફઝલસે કુછ દે રખા હે વોહ ઉસમેં કંજુસી કો અપને લિએ બહેતર ખયાલ ન કરે બલકે વોહ ઉનકે લિએ નિહાયત બદતર હે. અનકરીબ કયામત કે દિન ચે અપની કંજુસી કી ચીઝ કે તોક ડાલે જાએંગે. આસ્માનો ઓર ઝમીનો કી મિરાષ સિઈ અલ્લાહ હી કે લિએ હે ઓર તુમ જો કુછ કર રહે હો અલ્લાહ તઆલા ઉસસે આગાહ હે.”

(બુખારી)

(૯૨) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલય્હિ વ સલ્લમ ને ઈશાદિ ફરમાયા કે કોઈ ભી સોના ઓર ચાંદી કા માલિક જુસને ઉસકા હક અદા નહીં ક્રિયા (યાની ઝકાત અદા નહીં કીયા) તો કયામત કે દિન જહન્નમ કી આગ કી તપ્તી તેયાર કી જાએગી. જુસસે ઉસકો ગરમ ક્રિયા જાએગા ઓર જુસસે ઉસકા પહેલું ઓર પેશાની ઓર પીઠ દાગી જાએગી. જબ જબ વહ ઠંડા હોગા તો ફિર ઈસી તરહ ઉસ કો ગરમ ક્રિયા જાએગા ઓર ચે ઉસ દિન હોગા જુસ દિન કી મિકદાર પચાસ હઝાર સાલ હે. યહાં તક કે બંદો કે દરમિયાન ફેસલા કર દિયા જાએગા. ફિર વોહ અપના રાસ્તા યા તો જન્નત કી જાનિબ દેખેગા યા ફિર જહન્નમ કી જાનિબ. કહા ગયા અય અલ્લાહ કે રસુલ સલ્લલ્લાહુ અલય્હિ વ સલ્લમ કયા ઉંટવાલા ભી? આપને ફરમાય હાં ઉંટવાલા ભી. જુસને ઉસકા હક અદા નહીં ક્રિયા (ઓર ઉસકા હક ઉસકા દોહના હે જુસ દિન વોહ પાની પર લાયા જાએગા) તો કયામત કે દિન પુરે કે પુરે ઉંટ એક કુશાદહ હમવાર ઝમીન પર ફેલા દિએ જાએંગે ઓર વોહ ઉસસે જયાદા ફરબા (ખુબ જાડું) હોકર આએંગે, જુતના કે દુનિયા મેં ફરબા થે. ઉનમેંસે

એક ભી ઉંટ કા બચ્યા નહીં છુટેગા વોહ ઉંટ ઉસકો અપને ખુરોં સે રોંદેંગે ઓર મુંહ સે કાટેંગે. જબ જબ ઉનકા પહેલા ઉસકે ઉપરસે ગુઝરેગા ઉનકો લોટા દીયા જાએગા. ઉસ દિન જુસ દિન કી મિકદાર પચાસ હઝાર સાલ કી હોગી યહાં તક કે અલ્લાહ અપને બંદો કે દરમિયાન ફેસલા કર દેગા. ફિર વોહ અપના રાસ્તા યા તો જન્નત કી જાનિબ દેખેગા યા જહન્નમ કી જાનિબ. કહા ગયા અય અલ્લાહ કે રસુલ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ બકરી ઓર ગાય ? આપને ફરમાયા હાં, બકરી ઓર ગાયવાલે ભી, જો ઉસકા હક અદા નહીં કરતે. કયામત કે દિન કુશાદહ હમવાર ઝમીન મેં ઉનકો ફેલા દિયા જાએગા. ઓર ઉનમેં સે એક કો ભી છોળા નહીં જાએગા ઉન મેં સે કોઈ મુળી હુઈ સીંગવાલી નહીં હોગી ઓર ના હી બગેર સીંગવાલી ઓર ના હી ટુટી હુઈ સીંગવાલી. વોહ અપની સીંગો સે ઉસકો મારેગી ઓર અપને ખુરોં સે ઉસકો રોંદેંગી. જબ જબ ઉનમેં કી પહેલી ઉનકે ઉપર સે ગુઝરેગી તો દુસરી ભી એસા હી કરેગી (યાની એક કે બાદ દુસરી ઉસકો રોંદતી જાએગી) ઉસ દિન જુસ દિન કી મિકદાર પચાસ હઝાર સાલ કે બરાબર હોગી યહાં તક કે અલ્લાહ તઆલા અપને બંદો કે દરમિયાન ફેસલા કર દેગા તો વોહ અપના રાસ્તા યા તો જન્નત કી જાનિબ દેખેંગે યા જહન્નમ કી જાનિબ. (મુસ્લિમ)

અઝાબે જહન્નમ કી શકલેં

(૯૩) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ઈર્શાદ ફરમાયા કે જુસ શખ્સને પહાડ સે છલાંગ લગાકર ખુદકુશી કી (આપઘાત કર્યો) તો વોહ જહન્નમ મેં એસે હી છલાંગ લગાકર અપને આપકો હલાક કરતા રહેગા ઓર યે હંમેશા હંમેશા ઉસકે અંદર હી રહેગા ઓર જુસને ખુદકુશી કી (આપઘાત કર્યો) ઝહર પી કર તો ઉસકા ઝહર ઉસકે હાથ મેં હોગા ઓર વોહ ઉસકો જહન્નમ મેં પીતા રહેગા ઓર હંમેશા હંમેશા ઉસકે અંદર હી રહેગા ઓર જુસને કીસી લોહે સે ખુદકુશી કી તો ઉસકા લોહા ઉસકે હાથ મેં રહેગા જુસકો વોહ અપને પેટ મેં

मारता रहेगा और हमेशा हमेशा उसके अंदर ही रहेगा. (बुजारी, मुस्लिम)
 (८४) अब्ने अब्बास रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत हे के मेंने रसुलुल्लाह
 सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम से इरमाते हुअे सुना के हर मुसप्पीर
 (तस्वीर बनानेवाला) जहन्नममें जायेगा और हर तस्वीर जो उसने
 बनाई हे उसके अंदर रह कुंडी जायेगी जो उसको जहन्नम में अजाब देगी.
 (मुस्लिम)

(८५) हजरत अहनफ़ बिन कैस से रिवायत हे के में कुर्श के कुछ लोगों के
 साथ बेठा हुआ था तो अक आदमी आया जिसके बाल और कपड़े और
 शकल व सुरत सप्त और भुरदुरे थे. वोह लोगों के पास भगा हो गया और
 सलाम किया और कहने लगा के भगाना जमा करनेवालों को भुशभबरी दे
 दो जैसे गरम पथर की जिसको जहन्नम की आग में गरम किया जायेगा.
 फिर उसको उसकी छाती पर रखा जायेगा यहां तक के वोह उसके कंधे की
 हड्डी के बाहर निकल आयेगी. फिर उसको उसके कंधे की हड्डी पर रखा
 जायेगा यहां तक के उसकी छाती के उपर से बाहर आ जायेगी. वोह
 थरथरायेगा. फिर वोह आदमी पलट गया और अक सुतुन से टेक लगाकर
 बेठ गया और में ली उसके पास बेठ गया और में नहीं जानता था के वोह
 कौन हे. मेंने उससे कहा के तुम्हारी बात लोगो को बहोत नागंवार गुजरी हे.
 उसने कहा वोह लोग कुछ नहीं समजते हे. मुजसे मेरे दोस्तने कहा हे वोह
 कहते हे. मेंने कहा तुम्हारा दोस्त कौन हे? उसने कहा नबी करीम सल्लल्लाहु
 अलयहि व सल्लम कि अय ! अबु ऊर क्या तुम उहद की पहानियां देजते
 हो ? उन्होंने कहा के मेंने सुरज की तरफ़ देजा के दिन का कुछ हिस्सा बचा
 हे, मेंने समजा के शायद रसुलुल्लाह मुजे किसी कामसे लेजेंगे, मेंने कहा हां
 अय अल्लाह के रसुल. आप सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लमने इरमाया के
 में याहता हुं के जबले उहद के बराबर सोना हो जिस को में पूरा भर्य कर हुं
 सिवाय तीन दीनार के, और ये लोग नहीं समजते हे बल्के दुनिया जमा कर
 रहे हे. अल्लाह की कसम ! में ना ही उनसे दुनिया का सवाल कड़ंगा और ना
 दीन के बारे में कोय इतवा पुछुंगा यहां तक के में अल्लाह से मुलाकात कड़ं.

(બુખારી, મુસ્લિમ)

મોમિનોં કા હિસાબ

(૯૬) હઝરત અબ્દુલ્લાહ બિન ઉમર રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા કે અલ્લાહ તઆલા મોમિન કો કરીબ કરેગા ઓર ઉસકે ઉપર અપના સાયા ડાલ દેગા ઓર ઉસકો ઢાંપ લેગા ઓર કહેગા ક્યા તુમ યે ગુનાહ જાનતે હો ? ક્યા તુમ યે ગુનાહ જાનતે હો ? તો કહેગા હાં અય રબ ! યહાં તક કે વોહ ઉસસે ઉસકે ગુનાહોં કા ઇકરાર કરાએગા ઓર વોહ સમજેગા કે વોહ હલાક હો ગયા. અલ્લાહ તઆલા ફરમાએગા કે હમને ઉસકો દુનિયા મેં છુપાયા ઓર મેં આજ ઉસકો માફ કરતા હું. ફિર ઉસકો ઉસકી નેકીયોં કી કિતાબ દે દી જાએગી ઓર કુફરાર વ મુનાફેકીન કો લોગો કે સામને પુકારા જાએગા કે યે વોહ લોગ હે જીન્હોને અપને પરવરદિગાર પર જુઠ બાંધા. ખબરદાર હો, અલ્લાહ કી લાનત હે ઝાલિમો પર. (સુરે : હુદ - ૧૮, બુખારી)

જો ચીઝ સબ સે ઝયાદા જહન્નમ મેં લે જાએગી

(૯૭) હઝરત અબુ હુરૈરહ રઝિયલ્લાહુ અન્હુ સે રિવાયત હે કે રસુલુલ્લાહ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ સે પુછા ગયા કે સબસે ઝયાદા કોનસી ચીઝ લોગો કો જન્નત મેં લે જાએગી. આપ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા અલ્લાહ સે ખોફ ઓર હુસ્ને અખ્લાક. ઓર આપસે પુછા ગયા કે જહન્નમ મેં સબસે ઝયાદા કોનસી ચીઝ લોગો કો લે જાએગી. આપ સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમને ફરમાયા મુંહ ઓર શર્મગાહ. તો જો શખ્સ જહન્નમ સે બચના યાહે ઉસકે ઉપર વાજિબ હે કે વોહ અપની ઝબાન ઓર શર્મગાહ કી હિફાઝત કરે. (તિરમિઝી)

ઈસ્લામીક ઇન્ફર્મેશન સેન્ટર- કચ્છ દ્વારા પ્રકાશિત પુસ્તકો

ક્રમ	પુસ્તકનું નામ	લેખક
૦૧	મુસલમાન કા અકીદા	શૈખ મુહમ્મદ બીન જમીલ ઝૈનુ
૦૨	ગુનાહે કબીરા	ઇમામ શમ્સુદ્દીન ઝહબી (રહ.)
૦૩	દુઆએ	મૌ. શાહીદ જામઇ 'રાજકોટી'
૦૪	સ્ત્રીઓના વિશિષ્ટ મસાઇલ	શૈખ સાલેહ અલ ફઉઝાન
૦૫	મીલાદુન્નબી અને મોહબ્બતે રસુલ (સ.અ.વ.)	ડૉ. ફઝલૂર્હમાન મદની
૦૬	સીરતે નબવી અને ગેરઇસ્લામી વિચારો	મૌ. અબુલઆસ વહીદી
૦૭	નમાઝ ની સઝાવટ રફ્થૈન	મૌ. મુહમ્મદ ઇસ્માઇલ સામરોદી
૦૮	યા અલ્લાહ મદદ	હાફીઝ સલાહુદ્દીન યુસુફ
૦૯	અહમ દીની અસ્બાક	શૈખ અ.અઝીઝ બિન અબ્દુલ્લાહ બિન બાઝ
૧૦	રોઝાના મસાઇલ	મૌ. મુહમ્મદ ઇકબાલ કીલાની
૧૧	ઝકાતના મસાઇલ	મૌ. મુહમ્મદ ઇકબાલ કીલાની
૧૨	હજજ અને ઉમરાહના મસાઇલ	મૌ. મુહમ્મદ ઇકબાલ કીલાની
૧૩	ફઝાઇલે કુર્આન મજીદ (સંક્ષિપ્ત)	મૌ. મુહમ્મદ ઇકબાલ કીલાની
૧૪	દુઆ કે મસાઇલ	મૌ. મુહમ્મદ ઇકબાલ કીલાની
૧૫	ખુશગવાર ઝિંદગી કે ઇસ્લામી ઉસુલ	હાફિઝ મુહમ્મદ ઇસ્હાક ઝાહિદ
૧૬	તફસીર સૂર: બકરહ	હાફીઝ સલાહુદ્દીન યુસુફ
૧૭	કલમાએ તોહીદ કા મઅના...	મુહમ્મદ ઉમેર ટોંકી
૧૮	શિન, જાદુ ઓર બિમારીઆ દૂર કરનેકા ઇલાજ	સઇદ બિન અલી બિન વહફ અલ કહતાની
૧૯	દીન કે તીન અહમ ઉસુલ	શૈખુલ ઇસ્લામ મુહમ્મદ અત્તમીમી
૨૦	એહલે સુન્નત વલ જમાઅત કા અકીદા	શૈખ મુહમ્મદ બિન સાલેહ અલ ઉષેમીન
૨૧	બેનમાઝી કા અંજામ	શૈખ મુહમ્મદ બિન સાલેહ અલ ઉષેમીન
૨૨	નબી (સ.અ.વ.) કી નમાઝ	શૈખ અબ્દુલ અઝીઝ બિન અબ્દુલ્લાહ બિન બાઝ રહ.
૨૩	ઇસ્લામ ખાલિસ કયા હૈ?	મુહમ્મદ ઇસ્માઇલ ઝતારિગર

ઈસ્લામિક ઇન્ફર્મેશન સેન્ટર - કચ્છ

Mo. : 8401786172 | www.iickutch.blogspot.in